पटना ●रविवार, 26 जनवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः20 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर
"खबरों से समझौता नहीं"

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविधालय .. 3 www. bordernewsmirror.com खुब जमेगा रंग जब शादी के... 7

नई तकनीक और आर्थिक सहयोग पर इंडोनेशिया का जोर

- राष्ट्रपति प्रबोवो बोले-भारत ने हमेशा साथ दिया, हम भी मोदी के साथ
- इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने संबंधों को और मजबूत करने का लिया संकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भारत के 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली आए हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत और इंडोनेशिया के बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए चर्चा की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने शनिवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में बातचीत के दौरान व्यापार, निवेश, डिजिटल तकनीक, स्वास्थ्य, ऊर्जा, सुरक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया।

राष्ट्रपति सुबियांतो ने भारत के साथ इंडोनेशिया के ऐतिहासिक और गहरे संबंधों को याद करते हुए कहा,भारत ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम के दौरान न केवल आर्थिक और चिकित्सा सहायता दी, बल्कि हमारे संघर्ष में नैतिक समर्थन भी दिया। उन्होंने यह भी बताया कि इंडोनेशिया के दूतावास की जमीन भारत सरकार द्वारा गिफ्ट में दी गई थी, जो दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों का प्रतीक है। उन्होंने गर्व व्यक्त करते हुए कहा,यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है।

साझा सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन को बढ़ावा

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत और इंडोनेशिया के संबंध हजारों साल पुराने हैं। हमें खुशी है कि हम इंडोनेशिया के बोरबोदुर बौद्ध मंदिर के संरक्षण के बाद अब प्रांबनन हिंदू मंदिर के संरक्षण में भी योगदान देंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि 2025 को भारत-आसियान पर्यटन वर्ष के रूप में मनाया जाएगा, जिससे दोनों देशों के बीच पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम इस बात पर सहमत हैं कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जानी चाहिए। भारत और इंडोनेशिया शांति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं। पहली बार किसी विदेशी सैन्य दल के रूप में इंडोनेशियाई सेना की टुकड़ी ने भारत के गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेगी।

राष्ट्रपति सुबियांतो ने इसे गर्व का विषय बताते हुए कहा, हमारे लिए यह पहली बार है कि इंडोनेशियाई सैन्य टुकड़ी ने देश के बाहर परेड में भाग ले रही है। यह हमारे आपसी सम्मान और सहयोग का प्रतीक है। इस अवसर पर दोनों देशों के बीच कई समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ, जिनका उद्देश्य व्यापार और निवेश को सुगम बनाना, पर्यटन को बढ़ावा देना, और डिजिटल एवं ऊर्जा क्षेत्रों में साझेदारी को मजबूत करना है। राष्ट्रपति सुबियांतो ने अपनी सरकार को निर्देश दिया कि वे सहयोग बढ़ाने के लिए अनावश्यक नौकरशाही और नियमों को सरल बनाएं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति सुबियांतो और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा, इंडोनेशिया भारत के पहले गणतंत्र दिवस का मुख्य अतिथि देश था और यह हमारे लिए गर्व की बात है कि 75वें गणतंत्र दिवस पर आप हमारे बीच हैं। यह ऐतिहासिक मुलाकात भारत और इंडोनेशिया के संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रतीक है, जिससे न केवल दोनों देशों को बल्कि पूरे क्षेत्र को स्थिरता और समृद्धि का लाभ मिलेगा।

हमारा संविधान जीवंत दस्तावेज, यह हमारी सामूहिक अस्मिता का मूल आधार

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संबोधन, देश के लोगों को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। अपनी स्पीच की शुरुआत उन्होंने देश को बधाई देकर की। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान एक जीवंत दस्तावेज है, जो हमारी सामाजिक अस्मिता का मूल आधार है। किसी राष्ट्र के इतिहास में 75 साल का इतिहास पलक झपकने जैसा होता है। भारत के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है। इस काल खंड में भारत की चेतना जागी। इस ऐतिहासिक अवसर पर आप

सबको संबोधित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि आज हमें उन वीरों को याद करना चाहिए जिन्होंने देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। कुछ के नाम प्रसिद्ध हुए, तो कुछ को हाल ही में पहचान मिली। इस साल हम भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मना रहे हैं, जो ऐसे स्वतंत्रता सेनानियों के प्रतीक हैं जिनके योगदान को अब सही तरीके से माना जा रहा है। 20वीं सदी की शुरुआत में इन संघर्षों ने एक संगठित आजादी की लड़ाई का रूप लिया। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात थी कि महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर और बाबासाहेब अंबेडकर जैसे महान लोग हमारे साथ थे, जिन्होंने देश को लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने में मदद की। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व हमारे देश की सभ्यता का हिस्सा रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे किसान भाई-बहनों ने कड़ी मेहनत की और हमारे देश को अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया है। हमारे मजदूर भाई-बहनों ने अथक परिश्रम करके हमारे इन्फ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की कायापलट कर दी है।

सीआरपीएफ-बीएसएफ जवानों का तनाव कम करने की तैयारी

मोदी सरकार ने बनाया बड़ा प्लान, मिल सकती हैं अधिक छुट्टियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुरक्षा बलों के ताजा आंकड़ों से पता चला है कि 42,000 केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और असम राइफल्स के जवानों ने 2020 से 2024 तक 100 दिनों की छुट्टी का लाभ उठाया है। हालांकि सुरक्षा बलों पर अतिरिक्त दबाव और अपेक्षित मात्रा में जवानों की संख्या नहीं होने की वजह से सौ दिन के छुट्टी के प्रस्ताव को पूरी तरह लागू करना मुश्किल हो रहा है। एक अधिकारी ने कहा कि सौ दिन छुट्टी की योजना का प्रस्ताव जवानों का तनाव कम करने, उन्हें अपने परिवारों के साथ रहने में अधिक मदद करने के लिए शुरू की गई थी लेकिन इसे लागू करना कई तरह की स्थितियों पर निर्भर करता

है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण यह है कि छुट्टी की मांग किस समय पर की गई है। सीमा पर जरूरत, ऑपरेशन संबंधी अपरिहार्यता, चुनाव ड्यूटी सहित कई अन्य कारण देखकर छुट्टियों का प्रबंधन होता है। आंकड़ों के अनुसार, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में समीक्षा की अवधि में कुल 2,245 कर्मियों ने 100 दिनों की छुट्टी ली। वर्ष 2020 में 570 कर्मियों ने छुट्टी का फायदा उठाया जबकि यह संख्या 2024 में घटकर 71 रह गई। 100 दिनों की छुट्टी का सबसे ज्यादा अनुरोध बीएसएफ जवानों का रहा।

पूर्वी तिब्बत के डैम प्रोजेक्ट से भारत को है खतरा!

अरुणाचल सीएम बोले-वॉटर बम की तरह यूज कर सकता है चीन

ईटानगर (एजेंसी)। चीन द्वारा पूर्वी तिब्बत में बनाए जा रहे विशालकाय डैम को लेकर अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने भी चिंता जताई है। इससे पहले असम सीएम हिमंता सरमा भी इसे लेकर अपनी चिंता जाहिर कर चुके हैं। पेमा खांडू ने चेतावनी देते हुए कहा कि चीन इस विशालकाय डैम का इस्तेमाल वाटर बम के रूप में कर सकता है। उन्होंने कहा कि चीन के इस जलविद्युत परियोजना के कारण भारत और बांग्लादेश में रहने वाले करोडों लोगों की जान दांव पर लग सकती है।

पर्यावरण और सुरक्षा के एक सेमिनार के उद्घाटन में सीएम खांडू ने कहा कि चीन द्वारा यारलुंग त्संगपो नदी बनाई जा रही यह परियोजना करीब 60 हजार मेगावॉट बिजली पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि अगर इतनी बड़ा पावर प्रोजेक्ट वहां बनाया जाता है तो इसका यहां के पारिस्थितिकी पर बुरा असर पड़ेगा। क्योंकि यारलुंग त्संगपो ही सियांग नदी के रूप में अरुणाचल प्रदेश में आती है और बाद में ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है। खांडू ने कहा कि चीन द्वारा इतना बड़ा डैम बनाया जाना एक बड़ा खतरा है और चीन इसे वॉटर बम के रूप में उपयोग करता है तो इससे हमारी आधी से ज्यादा जनजाति नष्ट हो जाएगी। असम और अरुणाचल में लाखों लोग अपनी जान गंवा देंगे। यह केवल भारत तक नहीं रुकेगा बल्कि बांग्लादेश तक अपना असर दिखाएगा। अरुणाचल सीएम ने कहा कि यह परियोजना इसलिए और भी अधिक चिंताजनक हो जाती है क्योंकि चीन वैश्विक जलसंधि का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन की इस परियोजना से भारत को नुकसान होगा। हमने केंद्र सरकार को इसकी भरपाई के लिए सियांग नदी के ऊपर एक 12500 मेगावाट की बहुउद्देशीय परियोजना के निर्माण का प्रस्ताव दिया है।

जम्मू-कश्मीर के लोगों का 'सपना' हो गया साकार

- कटरा-श्रीनगर वंदे भारत का ट्रायल पूरा, माइनस 10 डिग्री में भी चलेगी
- कोच और बाथरूम में हीटर की मिलेगी सुविधा, फरवरी से होगी शुरुआत

श्रीनगर (एजेंसी)। यात्रीगण कृपया ध्यान दें... कश्मीर जाने के लिए ट्रेन संख्या 244027, वंदे भारत एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर एक पर खड़ी है। जम्मू रेलवे स्टेशन पर शनिवार को दूसरी ट्रेनों का इंतजार कर रहे सैकड़ों यात्रियों ने यह सुनकर भारत माता की जय के नारे लगाए। यह खुशी इसलिए थी, क्योंकि जम्मू-कश्मीर को पहली बार वंदे भारत ट्रेन मिलने वाली है। शनिवार को इसका ट्रायल पूरा हुआ। ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा से रवाना हुई और 11 बजे कश्मीर के अंतिम स्टेशन श्रीनगर पहुंची। यानी 160 किलोमीटर का सफर 3 घंटे में पूरा किया। जम्मू-कश्मीर में चलने वाली यह ट्रेन खास तौर पर कश्मीर के मौसम के हिसाब से डिजाइन की गई है। बर्फबारी में भी यह आसानी से चलेगी। ट्रेन

में लगा हीटिंग सिस्टम पानी की टंकियों और बायो-टॉयलेट को जमने से रोकेगा। ड्राइवर का विंडशील्ड और एयर ब्रेक माइनस टेंपरेचर में भी काम करेगा। पीएम फरवरी में इसका उद्घाटन कर सकते हैं। 11 जनवरी को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा- जम्मू-श्रीनगर रेल लिंक प्रोजेक्ट सपना सच होने जैसा है। जम्मू-कश्मीर के लोगों का बरसों का इंतजार पूरा हो गया। आज श्री माता वैष्णो देवी कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेन का ट्रायल रन कंप्लीट हो गया। इस दौरान सबसे खास बात रही इस ट्रेन का दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज से गुजरना। यह है चेनाब रेल ब्रिज। इसके अलावा यह ट्रेन अंजी खाद ब्रिज से भी गुजरी जो भारत का पहला केबल रेलवे ब्रिज है। बता दें कि यह वंदे भारत ट्रेन कश्मीर घाटी की ठंडी जलवायु के लिए खासतौर पर तैयार की गई है।

भारतीय सेना की 'तीसरी आंख' बनेगी 'संजय'

एलओसी पर पाकिस्तान के नापाक मंसूबों पर फिरेगा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अक्सर सीमा पर घुसपैठ की अपनी नापाक हरकतों को अंजाम देने की कोशिश करता रहता है। अब घुसपैठ पर नजर बनाए रखने के लिए भारतीय सेना को 'संजय' जैसी युद्धक्षेत्र निगरानी प्रणाली मिल चुकी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली से संजय को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह सेना के लिए तीसरी आंख का काम करेगी। देश की यह आधुनिकतम निगरानी प्रणाली, जमीनी और हवाई युद्ध क्षेत्र की जानकारी सेंसर से एकीकृत करती है। यह सीमाओं की निगरानी और घुसपैठ को रोकने में कारगर होगी। निगरानी प्रणाली संजय को भारतीय सेना और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने विकसित किया है। मार्च से अक्टूबर 2025 तक तीन चरणों में सेना के सभी परिचालन ब्रिगेड, डिवीजनों और कोर में शामिल किया जाएगा। इस साल को रक्षा मंत्रालय में सुधारों का वर्ष घोषित किया गया है। 2,402 करोड़ रुपये की लागत से इस प्रणाली को विकसित किया गया है। संजय (बीएसएस) अत्याधुनिक सेंसर से लैस है। यह कमांडरों को हर तरह के अभियान में काम करने में सक्षम बनाएगा। इसका शामिल होना सेना में डाटा और नेटवर्क केंद्रित करने की दिशा में एक बड़ी छलांग होगी। अद्वितीय सटीकता के साथ स्थितियों का आंकलन करके खुफिया, निगरानी और टोही में अहम भूमिका निभाएगा। युद्धक्षेत्र निगरानी प्रणाली को रवाना करने के दौरान रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ जनरल अनिल चौहान,सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और आला अधिकारी भी मौजूद रहे। संजय एक स्वचालित प्रणाली है।

महाकुंभ में 73 देशों के राजनयिक लगाएंगे त्रिवेणी संगम में डुबकी

कट्टर दुश्मन रूस और यूक्रेन के राजदूत भी एक साथ होंगे शामिल

बड़े हनुमान और अक्षयवट के करेंगे दर्शन, सख्त रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

प्रयागराज (एजेंसी)। इस बार 73 देशों के राजनयिक पहली बार संगम में स्नान करने जा रहे हैं। परस्पर धुर विरोधी माने जाने वाले रूस और यूक्रेन के राजदूत भी इस ऐतिहासिक आयोजन में एकसाथ शामिल होंगे। यह वैश्विक आयोजन गंगा किनारे भिन्न-भिन्न संस्कृतियों और विचारधाराओं के बीच एक अनोखे तालमेल का संदेश देगा। यहां अमेरिका और बांग्लादेश के भी राजनयिक अमृतकाल के गवाह बनेंगे। मेलाधिकार विजय किरण आनंद ने पुष्टि की कि एक फरवरी को 73 देशों से राजनयिक महाकुंभ की महानता को देखने आ रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को इसके लिए पत्र भी लिखा है। पत्र में कहा है कि दुनियाभर के राजनयिक महाकुंभ नगर में बड़े हनुमान और अक्षयवट के दर्शन करना चाहते हैं। ये सभी विदेशी राजनयिक नाव से संगम नोज पहुंचेंगे और स्नान करेंगे। यहां से वे अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर का दर्शन करने जाएंगे। इन देशों के राजनयिक आएंगे जापान,

अमेरिका, रूस, यूक्रेन, बांग्लादेश, जर्मनी, आर्मेनिया स्लोवेनिया, हंगरी, बेलारूस, सूरीनाम, जिंबाब्वे आदि देशों के राजनयिक शामिल हैं।

मोबाइल मेडिकेयर यूनिट में चलेगी ओपीडी, 5 डॉक्टरों की टीम मौजूद

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को यदि स्वास्थ्य संबंधित जरूरत पड़ी तो तत्काल मोबाइल मेडिकेयर यूनिट अलर्ट होगा। यह एंबुलेंस की तर्ज पर बनाई गई है। इसमें ओपीडी चलेगी। इसमें 5 डॉक्टरों समेत मेडिकल स्टॉफ मौजूद होंगे। सीएमओ (मुख्य चिकित्सा अधिकारी) डॉ. एके तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर इसे महाकुंभ मेला क्षेत्र के लिए रवाना किया। जीएमआर वारा लक्ष्मी फाउंडेशन की ओर से यह सेवा शुरू की गई है। सीएमओ डॉ. एके तिवारी ने कहा- महाकुंभ में स्वास्थ्य सुविधाओं को बहुत बेहतर तरीके से संचालित किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के लिए फ्री यह इलाज अस्पताल के रोहित शुक्ल ने बताया- इस तरह की सुविधा महाकुंभ में निशुल्क उपलब्ध रहेगी। बीपी, शुगर समेत अन्य दवाइयों को भी इसमें रखा गया है। यह महाकुंभ मेला क्षेत्र के विभिन्न सेक्टरों में भ्रमण करती रहेगी।

दिल्ली में 50 हजार लोगों सरकारी नौकरियां देगी बीजेपी

- कच्ची कॉलोनियों में मिलेगा मालिकाना हक और साफ होगी यमुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए संकल्प पत्र का तीसरा हिस्सा जारी कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संकल्प पत्र के तीसरे पार्ट को जारी करते हुए कई बड़े ऐलान किए हैं जिनमें कच्ची कॉलोनियों को मालिकाना हक और 6 महीनों के अंदर सील की गई 13 हजार दुकानों को दोबारा खोला जाना शामिल हैं। इसके अलावा पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को मालिकाना हक देने का वादा भी किया है। इसके अलावा दिल्ली में 5 लाख तक का फ्री इलाज देने के साथ-साथ रेहड़ी पटरी वालों को आर्थिक मदद देने का वादा भी किया गया है। अमित शाह ने कहा, पीएम मोदी ने 1700 से ज्यादा अनधिकृत कॉलोनियों को मालिकाना हक देने का वादा किया था लेकिन इनमें किसी को तोड़ने और खरीदने या बेचने का अधिकार नहीं था।

संक्षिप्त समाचार

फतुहा में लूट मामले में 2 अपराधी गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। फतुहा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। कारोबारी से 90 हजार लूट मामले में 2 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों का क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है। दीदारगंज, नदी और फतुहा इलाके में पहले भी लूटकांड को अंजाम दे चुका है। एसडीपीओ निखिल कुमार ने बताया कि 10 जनवरी को महुली मोड़ पर प्याज कारोबीर संजय प्रसाद से 90 हजार की लूट हुई थी। इस मामले में टेक्निकल सेल की मदद से पुलिस ने मनीष महतो को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर वैशाली जिले के रामपुर श्यामचंद्र गांव के धर्मेंद्र राय उर्फ धर्मवीर राय को पकड़ा। उसके पास से लूट के 15 हजार रुपए, एक बाइक और मोबाइल बरामद हुआ है। दोनों अपराधियों ने तीन लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। गिरोह में कुल 5 लोग शामिल है। जिसमें से 3 अभी फरार है। ये लोग सुनसान जगहों पर वारदात को अंजाम देते थे। धर्मेंद्र राय पर वैशाली के राघोपुर थाने में 2 सहित कुल चार मामले दर्ज है। फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

30 लाख का लगेज स्कैनर पड़ा है बेकार, स्टेशन पर रेल यात्रियों के सामान की नहीं हो रही जांच

जमालपुर, एजेंसी। रेलवे ने जमालपुर जंक्शन पर 30 लाख रुपए खर्च कर इंट्री गेट पर लगेज स्कैनर लगाया, लेकिन इससे जांच नहीं की जा रही है। बिना स्कैन किए ही बैग, ट्रॉली सहित अन्य समान लेकर यात्री आ-जा रहे हैं। शुक्रवार को भी स्कैनर बंद रहा। दो दिन पूर्व ही जमालपुर रेल जिला अंतर्गत किऊल स्टेशन के आउटर के समीप ट्रेन के भीतर बैठे यात्री की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसने ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों के सुरक्षा की पोल खुल गई है। पूर्व में भी अपराधी चलती ट्रेन में हथियार से आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। रेल प्रशासन सजग नहीं हुआ तो ट्रेनों में आपराधिक घटना पर लगाम लगाना काफी मुश्किल होगा। ऐसे में यात्रियों के सुरक्षा पर अब सवाल उठने लगे हैं। अभी रेलवे ने गणतंत्र दिवस को लेकर सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा है। इसके बावजूद जंक्शन पर लगेज स्कैनर से जांच बंद है। जमालपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचने के लिए एक नहीं, बल्कि कई रास्ते बने हुए हैं। कहीं कोई रेलवे ट्रैक पार कर जंक्शन पहुंच रहा है, तो कहीं बगैर चहारदीवारी के बने रास्तों का उपयोग कर लोग प्लेटफार्म पर पहुंच जा रहे हैं। रेलवे द्वारा भी जंक्शन के बाहर से सभी प्लेटफॉर्म पर पहुंचने के लिए ओवरब्रिज का तो निर्माण करवा दिया गया। परंतु सुरक्षा को लेकर कहीं भी कोई सुरक्षा जवानों की तैनाती नहीं की गई है। ऐसे में अनहोनी घटना घटित होने की आशंका यहां हमेशा बनी रहती है।

मोबाइल का लालच देकर नाबालिग से दुष्कर्म

पूर्णिया, एजेंसी। शाम 7 बजे फुफेरे भाई ने नया फोन देने की बात कहकर नहर पर बुलाया था। गन प्वाइंट पर मुझे कार में बैठा लिया और लाइन बाजार ले गया। वहां एक कमरे में ले गया और मेरे साथ गलत किया। ये आरोप 16 साल की नाबालिग का है। जिसके अनुसार 20 जनवरी को उसके साथ दुष्कर्म हुआ था। पीड़िता ने मामले को पंच के सामने रखा, जहां आरोपी ने 3 लाख रुपए लेकर मामला रफा-दफा करने को कहा। कुछ कार्रवाई नहीं हुई तो पीड़िता शुक्रवार को एसपी कार्तिकेय शर्मा के पास पहुंची और उन्हें आवेदन दिया। आवेदन में पीड़िता ने कहा कमरे में रात भर मेरे साथ गलत किया। कमरा का नंबर 111 था। सुबह लाइन बजार चौक पर मुझे छोड़कर चला गया। मैंने लोगों से मदद मांगी। मां और बहन को शहर बुलाया। घरवाले पहुंचे तो उन्हें सारी बात बताई। परिजन के साथ घर पहुंची। पीड़िता कसबा थाना क्षेत्र की रहने वाली है। आरोपी 3 बच्चों का पिता है। पीड़िता उम्र में दोगुना है। उसने पीड़िता से कहा कि किसी के सामने मुंह खोला तो जान से मारकर नदी में फेंक देंगे। पीड़िता ने आवेदन में कहा है कि आरोपी ने मां के नंबर पर कॉल किया था और मुझे नहर के पास बुलाया था। फोन पर आरोपी ने कहा था कि मां के लिए नया मोबाइल लेकर आया हूं। अकेले ही आना और मोबाइल लेकर चली जाना। नहर के पास पहुंची तो स्कॉर्पियो में भाई बैठा था। उसके साथ एक और लड़का था, जो चला गया। मैं उसके करीब गई तो उसने पिस्टल दिखाकर गाड़ी में बैठा लिया। इलाके से दूर लेकर कमरे में मेरे साथ गलत किया। एसपी कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि पीड़िता के आवेदन को महिला थाना को फॉरवर्ड किया जा रहा है। पीड़िता को महिला थाना में शिकायत करने को कहा गया है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूलों में स्पोर्ट्स डे की शुरुआत और यूनिवर्सिटी गेम्स को प्रमोट करना होगा

पटना, एजेंसी। राज्य खेल प्राधिकरण और खेल विभाग द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव में कई पदक विजेता राष्ट्रीय खिलाड़ी और खेल विशेषज्ञों का जुटान हुआ। विशेषज्ञों ने स्कूली स्तर से ही बच्चों को खेल से जोड़ने के साथ हफ्ते में एक दिन स्पोर्ट्स डे घोषित करने और यूनिवर्सिटी गेम्स को प्रमोट करने की बात कही। कॉन्क्लेव का समापन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया और एथलीटों को सम्मानित किया। इससे पहले उद्घाटन उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद पुतुल सिंह ने भी राय रखी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की हर पंचायत में खेल मैदान की योजना के तहत राज्यभर में 6500 मैदान बनने हैं। इनमें से 5000 मैदान इस साल के अंत तक तैयार हो जाएंगे। हर पंचायत में खेल क्लब और खेल सामग्री के साथ स्थानीय स्तर पर ट्रेनर की भी व्यवस्था हो रही है। मेडल लाओ, नौकरी पाओ योजना से राज्य के खिलाड़ियों में अच्छा खेलने के प्रति ललक बढ़ी है। बिहार अब क्वालिटी ऑफ स्पोर्ट्स के लिए भी जाना जाएगा। खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में खेल आगे बढ़ रहा है।

हमने रग्बी सेवन्स और सेपक टकरा को अपनाया

प्राधिकरण के डीजी रवींद्रण शंकरण ने कहा कि राजगीर में एक ही कैंपस में 23 खेल विधाओं के बारे में आज देश स्तर पर बात हो रही है। हमने कुछऐसे खेलों की पहचान की है, जहां देश के भीतर प्रतिस्पर्धा कम है और पदक जीतने की संभावना अधिक है। इस कड़ी में हमने रग्बी सेवन्स, सेपक टकरा, बाड़ लगाना, साइकिल चलाना आदि को अपनाया। आज हम रग्बी सेवन्स में कुल मिलाकर चैंपियनों के चैंपियन हैं। उन्होंने कहा कि खेल में धोखाधड़ी, डोपिंग और यौन उत्पीड़न पर विभाग सतर्क है। तीन मामले हमारी जानकारी में आए। लड़कियों की शिकायत पर तीनों कोच के खिलाफ मामला दर्ज किया और सलाखों के पीछे भेज दिया। खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी राजेंद्र ने कहा कि 12 से 18 वर्ष की उम्र के करीब 500 खिलाड़ियों को सरकार प्रायोजित करने जा रही है। इनसे भविष्य में पदक जीतने की उम्मीद है। साथ ही अगले स्तर पर 200 खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति देंगे। कॉन्क्लेव में अदिति मुताटकर, विजेंदर सिंह, पीआर श्रीजेश, पैरालिंपिक पदक विजेता शरद कुमार आदि ने विचार रखे।

ये खिलाड़ी सम्मानित हुए

पैरा एथलीट : दीपा मलिक, विजेंदर सिंह, पीआर श्रीजेश, हरेंद्र सिंह, शिवा केशवन, शरद कुमार। वहीं, जय प्रकाश सिंह को अनसंग चैंपियन और मोहम्मद रेयान को यंग अचीवर सम्मान मिला।

2 हजार से अधिक डिफॉल्टर पर लटकी कार्रवाई की तलवार

खगड़िया, एजेंसी। 2 अरब 44 करोड़ 65 लाख 27 हजार 370 रुपए की वसूली को लेकर जिला निलाम-पत्र शाखा में 22 हजार 200 लोगों पर सर्टिफिकेट केस दर्ज कराए गए हैं। जिले के विभिन्न बैंकों, परिवहन विभाग, उत्पाद विभाग, विद्युत विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा राशि वसूली की कार्रवाई के तहत इतने लोगों पर सर्टिफिकेट केस दर्ज कराए गए हैं। सर्वाधिक राशि बैंकों की फंसी हुई है। बता दें कि बकायेदारों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। ऋण लेने लोग में लोग भले ही आगे रहते हैं।

लेकिन, जब लौटाने की बात आती है तो ये भाग खड़े होते हैं। स्थिति यह है कि औसतन 2-3 कर्जदारों पर प्रत्येक दिन कर्ज की राशि की राशि वसूली के लिए बैंक सर्टिफिकेट केस दर्ज करा रही है। प्रमंडलीय आयुक्त ने डीएम-एसपी को रोज मोनेटरिंग करने को कहा है। एडीएम राजस्व को नोडल पदाधिकारी बनाए गये हैं।

खगड़िया करोड़ों रुपए की बकाये पर कुंडली मार कर बैठे जिले के 2 हजार से अधिक डिफॉल्टर बकायेदारों पर कार्रवाई की तलवार लटक गई है। कर्ज, बकाये, फाइन की राशि इनलोागों को हर हाल में लौटाना होगा। राशि नहीं लौटाने की स्थिति में पुलिस इनकी गिरफ्तारी भी करेगी। बता दें कि दो दिन बाद बकायेदारों के विरुद्ध जिला-प्रशासन सघन अभियान चलाने जा रही है।

इस अभियान के तहत पुलिस उनपर ऋण की वसूली के लिये दबाव बनाएगी। रुपये नहीं जमा करने पर उन्हें (बकायेदार) गिरफ्तार कर जेल भी भेजा जाएगा। एडीएम सह नोडल पदाधिकारी आरती ने बतलाया कि राज्य सरकार (राजस्व पार्षद) द्वारा 27 जनवरी से शुरू होने वाल सप्ताह को वारंट सप्ताह के रूप में घोषित किया गया है। इस पूरे सप्ताह (27 से 3 जनवरी तक) जिला में सघन अभियान चलकर लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन किया जाएगा।

प्रतिमा बैठाने के लिए लेना होगा परमिशन, डीजे पर रहेगी पाबंदी

नालंदा में सरस्वती पूजा के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां की शुरू

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले में सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया है। जिलाधिकारी ने अपने आदेश में कहा है कि इस वर्ष सरस्वती पूजा 3 फरवरी को मनाई जाएगी। इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगहों पर मां सरस्वती की प्रतिमाएं बैठाई जाएंगी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि कई जगहों पर बिना अनुमति के मूर्तियां स्थापित की जाती हैं, जिससे कई बार समस्याएं उत्पन्न होती है।

इस बार इस तरह की स्थिति से बचने के लिए जिला प्रशासन ने सभी निजी और सरकारी स्कूलों, कोचिंग संस्थानों, छात्रावासों, लॉज और सार्वजनिक स्थलों पर मूर्ति स्थापित करने के लिए अनुज्ञप्ति लेना अनिवार्य कर दिया है। संबंधित संस्थानों के संचालकों को डोर-टू-डोर जाकर लोगों को इस बारे में जानकारी देनी होगी।

डीएम ने दिए निरीक्षण के आदेश

जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर निकाय और थानाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में छात्रावासों और निजी लॉज का निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें कि सभी जगहों पर अनुज्ञप्ति ली गई हो।

जिला प्रशासन ने यह भी निर्देश दिया है

मूर्ति विसर्जन के लिए निर्धारित स्थानों पर ही विसर्जन किया जाए।

मूर्ति विसर्जन के दौरान किसी भी तरह की अराजकता न फैले।

डीजे पर प्रतिबंध रहेगा।

मूर्ति विसर्जन के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाया जाए।

जिला प्रशासन ने सभी लोगों से अपील की है कि वे सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

वीरपुर का मानसरोवर झील प्रवासी पक्षियों का नया ठिकाना, पक्षियां यहां अधिक सुरक्षित

बसंतपुर, एजेंसी। वीरपुर स्थित मानसरोवर झील एक बार विलुप्त होते प्रवासी परिंदों से गुलजार हो गया है। ये झील हाल के कुछ वर्षों में विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुके प्रवासी परिंदों का सुरक्षित ठिकाना बना हुआ है, जहां हर वर्ष सर्दियों का मौसम शुरू होते ही ये परिंदे दूर देशों की लंबी यात्रा कर पहुंचते हैं एवं गर्मी बढ़ते ही पुनः ठंडे देशों की ओर रवाना हो जाते हैं।

इन परिंदों का पहले कोसी के दियारा इलाके सुरक्षित ठिकाना था। वहां अंधाधुंध शिकार के कारण पंछियों ने अपना ठिकाना बदलना शुरू कर दिया है। यह झील चारों ओर से बाउंड्री से घिरा है, जहां 24 घंटे वन विभाग के अधिकारियों सहित कर्मियों की निगरानी के कारण झील परिंदों का सुरक्षित आश्रय बन कर उभर रहा है। जहां सुबह से लेकर शाम तक पंछियों का कलरव प्रकृति प्रेमियों को अपनी ओर बर्बस ही आकर्षित करता है।

हालांकि, अब भी कई लोगों की नजर इन पक्षियों पर रहती हैं, लेकिन वन विभाग के कर्मियों की चौकसी से वे अपने मंसूबे में सफल नहीं हो पाते। वीरपुर स्थित मानसरोवर झील जहां बड़ी संख्या में विलुप्त हो रहे प्रवासी पक्षियों को देखा जा सकता है। ट्रमानसरोवर झील में बसेरा बनाने वाले पंछियों में छोटी सिल्ही बतख समूह का प्राणी है। जिसे अंग्रेजी में लेजर व्हीसलिंग डक या इंडियन व्हीसलिंग डक कहते हैं, जो भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिणपूर्वी एशिया में पाए जाते हैं। झील में एक अन्य प्रजाति के पंछी इंडियन पोंड हेरोन भी है, जिसे अंधा बगुला या अन्धबक कहते हैं।

क्रांतिकारियों की धरती रही अररिया का भरगामा प्रखंड

अररिया/ भरगामा, एजेंसी। गुजरात के गांधीनगर के बाद अररिया जिले के सीमावर्ती भरगामा प्रखंड में एक और गांधीनगर है। जहां के वीर सपूतों ने क्रांति की हनक से ब्रिटिश पार्लियामेंट को गुंजायमान कर दिया था। गांधीनगर को राष्ट्रीय फलक पर चर्चित कर दिया था।

यहां के वीर बांकुरों की पहचान राष्ट्रीय स्तर की क्रांतिकारी से रही है। भरगामा के पावन धरती पर आचार्य जे वी कृपलानी, डॉ. राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण आदि के कदम पड़े हैं। भरगामा की धरती क्रांतिकारियों की धरती रही है। आजादी के संग्राम के काल में गांधीनगर स्वतंत्रता सेनानियों का गढ़ माना जाता था। यही से क्रांतिकारी अपनी योजना बनाते थे। नेपाल की निकटवर्ती सीमा के कारण यह क्षेत्र क्रांतिकारियों के लिए खासा महत्व रखता था। क्रांति की चिंगारी वीर बांकुरों के रोम रोम में बसता था। गांधीनगर की धरती भारत वर्ष में शायद अपवाद ही मानी जाएगी, जहां से करीब एक दर्जन स्वतंत्रता सेनानी एक ही परिवार से स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया।

स्वतंत्रता सेनानी गरीबदास, अनुराग दास, तनुकलाल दास, पलकधारी राय, फेकू यादव आदि स्वतंत्रता सेनानी को देश की बलि बेदी पर हर तरह की आहुति देने का गौरव प्राप्त है। देश की आजादी के उपरांत गांधीनगर में क्रांतिकारियों का ऐसा हिरावल दस्ता तैयार हुआ था। जिसे अपना देश आजाद करने के बाद सन 1950 में पड़ोसी देश नेपाल की राणा शाही के खिलाफ प्रजातंत्र स्थापना की लड़ाई में सक्रिय भागीदारी निभाई थी।

नीतीश की पकड़ प्रशासन पर ढीली हो गई, लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ गया है: आरसीपी सिंह

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में आसा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह (आरसीपी सिंह) ने कहा कि आज बिहार में लॉ एंड-ऑर्डर गर्त में जा चुका है। विकास, रोजी-रोजगार के नाम पर बिहार पिछड़ता जा रहा है, जबकि आए दिन आपराधिक घटनाएं होती रहती है। आरपी सिंह ने मोकामा में हुई घटना की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश सरकार को घेरे में लिया। उन्होंने कहा कि एक बार फिर अपराध पनपने लगा है। नीतीश की पकड़ प्रशासन में ढीली पड़ गई है। जिससे लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ चुका है। लगातार एके-47 से फायरिंग हो रही है। चूंकि 14 करोड़ की आबादी के लिए आमदनी का स्रोत नहीं है। बिहार में सोना और कोयले का भंडार है। उस तरफ सरकार का ध्यान नहीं है।

प्रति व्यक्ति की आय दर कम हो रही : बिहार के बजट का आकार बढ़ता जा रहा है, लेकिन इन्वेस्टर है ही नहीं है। प्रति व्यक्ति की आय दर भी कम होती जा रहा है। जबकि रोजगार के नाम पर सालों से युवा पलायन कर रहे हैं। परीक्षा में प्रश्न पत्र लीक हो जाता है, लेकिन विभाग संज्ञान लेने की जगह बलपूर्वक छात्रों का ही दोहन करते हैं।

दरअसल भागलपुर में शुक्रवार को जननायक कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जयंती मनाई गई। मौके पर जिले के सुल्तानगंज विधानसभा क्षेत्र के रसीदपुर गांव में आसा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह (ऋष्टक्रसिंह) पहुंचे। जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपने नेता का फूलमाला और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया। इस दौरान आरसीपी सिंह ने जननायक को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पंचायत सरकार भवन के लिए जमीन चिह्नित करने के निर्देश मुजफ्फरपुर में प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक

कार्य में तेजी लाने के दिए आदेश

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिला सभागार में डीएम सुब्रत कुमार सेन ने जिले में आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक की। उन्होंने अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिले में 141 पंचायत सरकार भवन निर्माणाधीन हैं, जिनका कार्य भवन निर्माण विभाग, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन और ग्राम पंचायत की ओर से किया जा रहा है। शेष ग्राम पंचायतों में से 124 में भूमि का चयन किया गया है और 42 में भूमि चयन की प्रक्रिया चल रही है।

जिलाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी को स्थल विजिट कर जल्द जमीन चिह्नित करने का निर्देश दिया है। जिले में 10 स्थलों पर हेल्थ वेलनेस सेंटर के निर्माण के लिए जिलाधिकारी ने उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश संबंधित अंचलाधिकारी को दिया।

बसेरा के कार्य में गति लाने का निर्देश विदित हो कि मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत कुल 24 प्री-फैब पद्धति से ? हेल्थ वेलनेस सेंटर का निर्माण किया जाना है, जिसमें से 14 स्थल के लिए जमीन उपलब्ध कराई जा चुकी है। निर्माण कार्य जारी है। शेष 10 स्थलों के लिए जमीन अप्राप्त है। बंदरा में 3, कांटी में 4, पारु में 2 और सकरा में 1 हेल्थ वेलनेस सेंटर के लिए जमीन चिह्नित की जानी है। इसके लिए 225 वर्ग मीटर भूखंड की जरूरत है। बैठक में दाखिल खारिज मामलों की समीक्षा करते हुए पाया गया कि जिलास्तर पर 85प्रतिशत मामले का निष्पादन किया गया है, जबकि मुरौल 96प्रतिशत, पारु 95प्रतिशत, मरवन 91प्रतिशत, साहेबगंज 91प्रतिशत बंदरा 89प्रतिशत, सकरा 89प्रतिशत निष्पादन किया गया है।

दूसरी ओर कांटी में 73प्रतिशत मामले का निष्पादन किया गया है। जिलाधिकारी ने अंचलाधिकारी कांटी को शीघ्र प्रगति लाने का निर्देश दिया। अन्यथा फरवरी माह से प्रतिदिन के हिसाब से 500 रुपए का जुर्माना किया जाएगा। जिलाधिकारी ने अभियान बसेरा के कार्य में गति लाने का निर्देश दिया। बैठक में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी श्री अशोक कुमार गुप्ता, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्री नवीन कुमार, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, तकनीकी विभागों के पदाधिकारी गण तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अंचलाधिकारी संबद्ध थे।

पिकअप ने बाइक सवार को रौंदा, एक की मौत

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा के पुरैनी थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। घटना स॥-58 पर नरदह पंचायत के योगीराज के पास की है। मृतक की पहचान चौसा थाना क्षेत्र के अरजपुर पंचायत के अरजपुर सोनबरसा वार्ड दो निवासी उमेश शर्मा के बेटे श्रीधर शर्मा (35) के रूप में हुई है।

बेटी के घर से लौट रहे थे : मृतक के भतीजे छतीस शर्मा ने बताया कि श्रीधर शर्मा शुक्रवार सुबह बिहारीगंज के बेलागंज में रहने वाली अपनी बेटी के घर मकर संक्रांति का संदेश देने गए थे। वहां से वे शाम करीब 6 बजे घर लौट रहे थे। इसी दौरान नरदह पंचायत के योगीराज के पास पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। पिकअप की टक्कर से श्रीधर की बाइक अनियंत्रित हो गई और विपरीत दिशा से आ रही दूसरी बाइक से जा भिड़ी। इस हादसे में श्रीधर शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार नरदह पंचायत के नयाटोला वार्ड 9 निवासी शंभू मेहता (35) और श्याम मेहता (36) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविधालय के स्नाकोत्तर पाठयक्रम में सीयूईटी से मिलेगा प्रवेश

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) पीजी 2025 के माध्यम से किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी सीयूईटी पीजी 2025 परीक्षा के लिए 1 फरवरी 2025 तक अपना पंजीकरण कर सकते हैं। यह परीक्षा 13 मार्च 2025 से 31 मार्च 2025 तक देशभर के 312 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा किया जाता है। यह परीक्षा केंद्रीय विश्वविद्यालयों और अन्य भागीदार संस्थानों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पारदर्शी और एक समान प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। इसके माध्यम से विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमियों से आने वाले उम्मीदवारों को समान अवसर प्राप्त होता है।सीयूईटी पीजी 2025 का परिणाम घोषित होने के बाद, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय अपनी कट-ऑफ सूची और पात्रता मानदंड जारी करेगा। योग्य उम्मीदवार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परामर्श सत्र (काउंसलिंग) में भाग लेकर अपनी सीट सुरक्षित कर सकते हैं। एमजीसीयू में कुल 20 स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित होते हैं,जिसमे वाणिज्य, प्रबंधन विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, मीडिया अध्ययन, शैक्षणिक अध्ययन, अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, रसायन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, भौतिकी, गांधीवादी और शांति अध्ययन, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, सामाजिक कार्य, समाजशास्त्र और गणित जैसे विषय शामिल हैं। इच्छुक अभ्यर्थी एनटीए की वेबसाइट www.nta.ac.in एवं एमजीसीयू की आधिकारिक वेबसाइट www.mgcub.ac.in पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। एमजीसीयू के परीक्षा नियंत्रक डॉ. कृष्णकांत उपाध्याय ने कहा, "सीयूईटी पीजी 2025 के माध्यम से एमजीसीयू में प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और योग्य छात्रों के चयन को सुनिश्चित करती है। यह परीक्षा देशभर के छात्रों को समान अवसर प्रदान करती है और उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

जिला कांग्रेस कमेटी ने गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर की बैठक

जिले के पांच प्रखंडों में कार्यकारी अध्यक्षों की कि गयी नियुक्ति

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के बंजरिया पंडाल स्थित गांधी आश्रम, कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को 76वें गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर पूर्वी चंपारण कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंजीनियर शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय की अध्यक्षता में जिला कॉग्रेस कमिटी, मोतिहारी के द्वारा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बैठक कर विस्तृत चर्चा की गई। उक्त मौके पर जिलाध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने समस्त जिले वासियों को 76वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस क्रम में संगठन को धारदार व मजबूत करने के लिए जिला के पाँच प्रखंडों में कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति की गई जिसमें बृजमोहन सिंह को घोड़ासहन, ब्रजेन्द्र कुमार तिवारी को अरेराज, अनिल कुमार सिंह को पहाड़पुर, अनिल कुमार गुप्ता को आदापुर और आबिद हुसैन को छौड़ादानो का नाम शामिल है। इस मौके पर वरिष्ठ कॉग्रेसी उपस्थित रहें जिसमें प्रो. विजय शंकर पाण्डेय, महिला जिला कॉग्रेस अध्यक्ष किरण कुशवाहा, संगठन प्रभारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, मुनमुन जायसवाल, ओसैदुर्ररहमान खान, तनवीर खान, आदर्श आनन्द, रंजन शर्मा, आशिष रंजन सिंह सहित अन्य जिले के प्रबुद्ध कॉग्रेसजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मुंशी सिंह महाविद्यालय में 'मतदाता शपथ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी। शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय में 15वें 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के अवसर पर 'मतदाता शपथ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार के द्वारा शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को 'मतदाता शपथ' दिलाई गयी। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि - 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस न केवल चुनाव प्रक्रिया को लोकतांत्रिक बनाने का उत्सव है, बल्कि यह युवाओं और समावेशी समाज की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम भी है। 'डॉ. इक़बाल हुसैन, डॉ. मयंक कपिला, डॉ. अमित कुमार और डॉ. गौरव भारती ने भी इस अवसर पर लोकतंत्र में मतदान के महत्त्व और मतदाता की भूमिका पर अपनी बात रखी। सभी ने जागरूक मतदाता बनने की अपील की और बेहतर लोकतंत्र के निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने की बात कही। मौके पर प्रो. एम.एन. हक़, डॉ. जमुना राम, डॉ. ए.के.रंजन, डॉ. शफ़ीक़ुर रहमान, डॉ. नरेन्द्र सिंह, अमरजीत कुमार चौबे, एस.के. राव, प्रमोद कुमार, एस.बी. पाण्डेय, सूबेदार प्रदीप द्विवेदी आदि सहित अन्य शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और छात्र-छात्राएं मौजूद थे। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी है।

पूर्वी चंपारण के डीएम सौरभ जोरवाल को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

बीएनएम। मोतिहारी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम सौरभ जोरवाल को शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दिल्ली में सम्मानित किया है। डीएम को यह विशेष सम्मान राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर दिया गया। उल्लेखनीय है,कि बीते लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रबंधन, तकनीकी इनोवेशन और सुरक्षा प्रबंधन में बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरे देश भर के जिलो में पूर्वी चंपारण के डीएम का बेहतर प्रदर्शन रहा।जिसको लेकर उन्हे राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया है। सम्मान मिलने के बाद डीएम सौरभ जोरवाल ने कहा है,यह सम्मान जिला प्रशासन के सभी कर्मियों की मेहनत और जिले के नागरिकों के सहयोग का प्रतिफल है।इसके लिए उन्होने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

19 फरवरी को पटना में होने वाला कार्यक्रम होगा ऐतिहासिक : विधायक

बीएनएम। केसरिया, पू.च। छत्रपति शिवाजी महाराज के जयंती पर पटना में अगामी 19 फरवरी को आयोजित कुर्मी एकता रैली को सफल बनाने के लिए कुर्मी एकता मंच बिहार प्रदेश के संयोजक सह अमनौर के विधायक कृष्ण कुमार उर्फ मंटू सिंह पटेल के नेतृत्व में शनिवार को प्रखंड के बिजधरी स्थित अजय पटेल के अवास पर एक सभा का आयोजन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि कुर्मी कुल के गौरव सरदार पटेल ने अनेक रियासतों को एकीकृत कर अखण्ड भारत की नींव रखने का ऐतिहासिक कार्य किया है, जो हम सबों कि लिए प्रेरणादायी है। जिनके पूर्वज देश को एक कर दिए आज उनके ही वंशज अलग-अलग खण्डों में विभक्त होते जा रहे हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयु किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेन्द्र राय पटेल ने की। उन्होंने कहा कि 19 फरवरी को पटना में पहुंच चट्टानी एकता का परिचय देना है। जबकि संचालन पूर्व उप प्रमुख विजय पटेल ने की। आगत अतिथि को अजय पटेल ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। मौके पर सुदामा पटेल, राजेश पटेल, ऋषि कुमार, रामपुर पटेल, हीरा पटेल, बलिन्द्र पटेल, सुरेश्वरी पटेल, रामेश्वर पटेल, रामायण पटेल,हरिहर पटेल, चन्द्रदेश्वर राय, अशोक पटेल, सतीश पटेल समेत बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जिला परिषद सदस्य के पति के घर पुलिस ने किया कुर्की

बीएनएम। मोतिहारी

शराब व ड्रग्स कारोबार सहित दर्जन भर मामले में फरार चल रहे रंजीत गुप्ता की गिरफ्तारी को लेकर शनिवार को जीवधारा स्थित उनके घर की कुर्की जब्ती पुलिस ने किया है। आरोपित रंजीत गुप्ता जिला परिषद सदस्य के पति है। जब्ती की कार्रवाई का नेतृत्व सदर डीएसपी-2 जितेश पाण्डेय एवं चकिया डीएसपी सतेंद्र कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से की है। पुलिस ने रंजीत गुप्ता को आत्मसमर्पण के लिए 20 मिनट का समय दिया कि वे इस अवधि में किसी भी थाने में जाकर अपना आत्मसमर्पण कर दें अन्यथा कुर्की की कार्रवाई आरंभ कर दी जाएगी। हालांकि उसने निर्धारित समय सीमा के अंदर किसी भी थाने में आत्म समर्पण नहीं किया,जिसके बाद पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई आरंभ की। बताया जाता है कि जिप सदस्य पति रंजीत गुप्ता के विरुद्ध विभिन्न थानों में शराब कारोबार सहित दर्जन भर मामले दर्ज है और वे फरार चल रहे है। इस मामले में पुलिस ने विगत 15 दिनों पूर्व उनके घर पर इस्तेहार चिपकाया था। बावजूद उन्होंने अपना आत्म समर्पण नहीं किया। इस संबंध में जिप सदस्य नीतू गुप्ता ने बताया कि राजनीति कारणों से मेरे पति को विरोधियों द्वारा फंसाया गया है। जो आज कामयाब हो रहे। मेरे पति निर्दोष है। कुर्की की कार्रवाई में पीपराकोठी थानाध्यक्ष खालिद अख्तर, केसरिया थानाध्यक्ष उदय कुमार, एसआई प्रमुख कुमार, पीएसआई आदित्य भारद्वाज, ओमपाल, अंजू कुमारी, रामशरण पासवान सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस पर डीपीआरओ समेत चार को मिलेगा ज्ञान सागर सम्मान

बीएनएम। मोतिहारी

जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के अगरवा में गत 28 साल से संचालित शैक्षिक व सांस्कृतिक संस्था ज्ञान सागर पब्लिक स्कूल गणतंत्र दिवस पर जिले की चार विभूतियों को समाज में उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित करेगी। संस्था के प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र कुमार मिश्रा ने इसकी जानकारी हुए बताया कि सूचना सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश, समाज में कानूनी जागरूकता के प्रचार-प्रसार के लिए एलएडीसी (ज़िला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चम्पारण) के चीफ उमेन्द्र कुमार वर्मा उर्फ पप्पू भईया, रंगमंच के क्षेत्र में चम्पारण का नाम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोकित करने वाले प्रसाद रत्नेश्वर को सांस्कृतिक सेवा के क्षेत्र में तथा शिक्षाविद श्रीमती रेणु कुमारी को शिक्षा-संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ' ज्ञान सागर सम्मान ' से अलंकृत किया जायेगा। इस अवसर पर पारम्परिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय परिसर में 11 बजे से किया गया है।

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के 26वीं कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के 26वीं कार्यकारिणी की पहली बैठक होटल पॉम बेरी के सभागार में चेंबर अध्यक्ष अंगद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सभा की शुरूवात विशिष्ट आमंत्रित सदस्य विक्रांत, अशोक और सौरव का तालियों से स्वागत कर परिचय कराया गया। कार्यकारी महासचिव सह उपाध्यक्ष सुनील कुमार श्रीवास्तव ने गत बैठक के कार्यवाही की रिपोर्ट और गतिविधियों की रिपोर्ट सभा के समक्ष रखी। कोषाध्यक्ष अभिषेक लोहिया ने आय व्यय की जानकारी दी।अध्यक्ष अंगद सिंह ने कहा कि व्यवसाई के हित में मोतिहारी चैंबर सदैव तत्पर है और व्यावसायिक हित में सालों भर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल की प्राथमिकता चैंबर भवन का निर्माण रहेगा।बैठक में वार्षिक पदस्थापन सह सम्मान समारोह और नव वर्ष की उमंग गांव के बच्चों के संग कार्यक्रम की समीक्षा की गई। सत्र 2025 के समस्त विभागों का बंटवारा किया गया। बैठक में संस्थापक अध्यक्ष बीरेंद्र जालान,पूर्व अध्यक्ष रवि कृष्ण लोहिया, संजय जायसवाल अनुपम जायसवाल, संयोजक मनीष कुमार,उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य राजीव जायसवाल, चंदू मिश्रा, श्याम कुमार सत्यव्रत जायसवाल और विक्की कुमार उपस्थित रहे। सभा का धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता के द्वारा किया गया तथा राष्ट्रगान के साथ सभा समाप्ति की घोषणा किया गया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी सह सचिव आलोक कुमार ने दिया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

महिला फुटबॉल टूर्नामेंटः सिवान टीम ने 4-0 से मैच जीतकर फाइनल में बनाई जगह

बीएनएम। तुरकौलिया

सेमरा टोला स्टेडियम में चल रहे सात दिवसीय महिला फुटबॉल राज्यस्तरीय टूर्नामेंट के छठे दिन दूसरा सेमीफाइनल मैच खेला गया। मैच शुरू होने से एक घण्टे पहले ही स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था। दर्शक रोजना खेल का भरपूर लुफ्त उठा रहे है। दूसरा सेमीफाइनल मैच सिवान व नेपाल(हथौड़ा) के बीच खेला गया। महिला रेफरी ने विसिल मारकर खेल को शुरू कराया। खेल शुरू होते ही दोनों टीमों के समर्थक अपने अपने टीम के खिलाड़ियों का हौसला अफजाई कर रहे थे। हाफ टाइम होने से पहले तक सिवान के खिलाड़ीयों ने 3-0 से बढ़त बनाये हुए थे। तीनों गोल टीम की कप्तान मनीषा कुमारी ने दागे थे। जिससे लगभग उनकी जीत पक्की लग रही थी। इसी बीच हाफ टाइम के लिए रेफरी ने विसिल बजा दिया। दुबारा खेल फिर शुरू हुआ। फिर वही कहानी सिवान टीम खेल के हर विभाग में हथौड़ा की टीम को पछाड़ रही थी। हाफ टाइम के बाद सिवान की जर्सी नम्बर 12 खिलाड़ी सुषमा कुमारी ने अपनी टीम के तरफ से चौथा व खुद का पहला गोल दागकर और बढ़त बना दी। इसतरह सिवान टीम ने 4- 0 से मैच जीतकर फाइनल में अपनी जगह बना ली। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार सिवान टीम के जर्सी नम्बर 7 छठी यादव को दिया गया। पहला गोल दागने पर कप्तान मनीषा कुमारी को नकद पुरस्कार दिया गया। वही पूरे मैच में सभी खिलाड़ियों में अच्छा खेल दिखाने वाली सिवान की छठी यादव को बेस्ट खिलाड़ी का अवार्ड दिया गया। टूर्नामेंट के अध्यक्ष कमरुद्दीन अंसारी ने बताया कि रविवार को एबी हॉस्पिटल तुरकौलिया व सिवान के बीच शानदार फाइनल मुकाबला होगा। दोनों टीमों में एक से बढ़कर खिलाड़ी है। मौके पर मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष सुनील टाइगर, अनिल गुप्ता, रवीन्द्रनाथ सिंह, पूर्व प्रमुख संजय सिंह, राजद विधानसभा प्रभारी क़मरुजम्मा, डॉ. अफजल आलम, कलाम हुसैन, बब्लू मियां, संवेदक रोहित कुमार उर्फ प्रशांत, सागर कुमार पटेल उर्फ बंगाली, परमानंद सहनी, विनय कुमार आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस का किया गया आयोजन

बीएनएम। अरेराज

अरेराज में 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज के नेतृत्व में एक शपथ समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर, भूमि सुधार उप समाहर्ता अरेराज, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरेराज और अवर निर्वाचन पदाधिकारी अरेराज उपस्थित थे। शपथ समारोह में, लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने और स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखने के लिए शपथ दिलाई गई। इसके अलावा, विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गोविंदगंज विधान सभा और हरसिद्धि विधान सभा क्षेत्र के कई बीएलओ और पर्यवेक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और नागरिकों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना था। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने नागरिकों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रेरित किया।

संक्षिप्त समाचार

मताधिकार दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम। बेतिया। मताधिकार दिवस के अवसर पर प्रबुद्ध भारती के राष्ट्रीय संयोजक के द्वारा एक निजी होटल मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बोलते हुये पूर्व वायु सैनिक व मिसाइल इंजीनियर विजय कश्यप ने सारे देश को अवगत कराया की 1917 में साउथ बोरो कमिशन 1927 में साइमन कमीशन और 1930, 31 32 में गोलमेज कांफ्रेंस का होना और उसमें भारतीयों के हितों के लिए विधि मंडल में भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए भारत की भागीदारी सुनिश्चित हो तथा प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी भागीदारी करने का मौका मिले यह बात व्यस्क मताधिकार के द्वारा सामने लाने हेतु गोलमेज कांफ्रेंस में डॉ बीआर अंबेडकर(भारत रत्न) ने वायसराय के सामने बहुत जबरदस्त तरीके से अपनी बात को रखी और भारत भारतीयों के द्वारा संचालित हो उसके लिए उनके अधिकार सुनिश्चित किया जाए। खास कर वंचितों, पीड़ित एवं पिछड़ों के लिए उन्होंने दो मतदान का अधिकार की मांग की। जो डबल वोटिंग राइट्स के रूप में अंग्रेजों के द्वारा 1932 में प्रदान किया गया। लेकिन राष्ट्रहित को ध्यान देते हुए राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को ध्यान रखते हुए, गांधी जी के बीच यरवदा जेल में 24 सितंबर 1932 को गांधी जी एवं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के बीच जो समझौता हुआ इसके तहत 131 लोकसभा की सीटे अनुसूचित जाति और जनजाति समाज को देकर गांधी जी ने कांग्रेस की तरफ से भागीदारी लोकसभा एवं राज्यसभा तथा देश के सारे विधानसभा में उनकी संख्या के अनुपात में सुनिश्चित की। यही मतदान का अधिकार आम आदमी के प्रतिनिधि के रूप में लोकसभा एवं राज्यसभा में हमें प्राप्त होता है। 18 वर्ष की आयु सीमा पार करने के बाद मतदान करने वाला भारत दुनिया का सबसे बड़े देशों में से एक है।दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र मताधिकार पर आधारित है। उन्होंने आगे बताते हुए कहां की भारत के अंदर 6743 जातियां विभिन्न मत मतानतर, संप्रदाय, भाषा बोली होने के बावजूद मतदान के कारण भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक गणराज्य है। संविधान सभा के 299 विद्वान परिषद द्वारा 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में बाबा साहब के द्वारा विशेष रूप से ड्राफ्टिंग कर संविधान 26 नवंबर 1949 को प्रदान किया गया, जो 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

बीएनएम। बेतिया। शुक्रवार की रात भगहा के एक युवक की मौत की मौत सड़क दुर्घटना में हो गई। घटना जानकी टोला के पास हुई जहाँ उसकी बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक अपनी बाइक से नेपाल के परसा जिले के भिस्वा में एक बारात में जा रहा था। मृतक की पहचान रामाश्रय राय के बेटे चंदन राय के रूप में हुई है।

मझौलिया ने केसरिया को पराजित कर फाइनल में किया प्रवेश

मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मझौलिया टीम के शिवम कुमार को दिया गया

बीएनएम। अरेराज। अरेराज स्थित महंत शिवशंकर गिरि महाविद्यालय खेल स्टेडियम में शनिवार को खेले गए सोमेश्वर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के प्रथम सेमीफाइनल मैच में मझौलिया की टीम ने केसरिया को हराकर फाइनल में प्रवेश कर गया। मैच में मझौलिया की टीम ने 19.5 ओवर में 9 विकेट खोकर 129 रन बनाकर जीत हासिल की। मैच के दौरान मुख्य अतिथि चंदन कुमार ने दोनों टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए उनका हौसला अफजाई किया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मझौलिया टीम के शिवम कुमार को दिया गया, जिन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 27 रन देकर 2 विकेट हासिल किए और नाबाद 63 रन बनाए।

2025 में फिर से बनेगी बिहार में एनडीए की सरकारः मंत्री

- दही चूड़ा भोज में भाजपा कार्यकर्ता का हुआ जुटान

बीएनएम। हरसिद्धि

2025 में फिर से बिहार में पूर्ण बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी, एनडीए की सरकार में बिहार में विकास की ओर बढ़ा है। सभी जगह विकास की किरणे पहुंची है, उक्त बातें गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने कही। एनडीए द्वारा आयोजित मकर संक्रांति केअवसर पर दही चूड़ा भोज में पत्रकारों से बात करते हुए शनिवार को मंत्री ने कहा कि इस भोज में पूरे विधानसभा के कार्यकर्ता व नेता शामिल हुए है। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों को अब गन्ना मूल्य का भुगतान स समय चीनी मिल द्वारा किया जाने लगा है। वही भाजपा के जिलाध्यक्ष पवन राज ने कहा कि जिला में पार्टी सशक्त और मजबूत हुआ है। मौके पर विधायक सुनील मणि तिवारी, विधायक श्यामबाबू यादव, पूर्व विधायक सचिंद्र सिंह, विधायक शालनी मिश्रा, पूर्व मंत्री प्रमोद कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष पवन राज, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, ई राकेश गुप्ता, पूर्व मुखिया विनय कुमार सिंह, पैक्स अध्यक्ष राजकिशोर सिंह, ई रमेश कुमार पासवान, शंभू प्रसाद, राजकिशोर ठाकुर, ई कुंदन पासवान, निर्मला सहनी, अनिल राय, दीपक शर्मा, पूर्व मुखिया फारुख आजम, संजय सिंह, मंडलध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, हरेंद्र कुशवाहा, राहुल तिवारी, दिलीप गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, मुकेश सिंह, मार्कण्डेय कुशवाहा, बीरेंद्र प्रसाद, सहित उपस्थित थे, इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें गायक अंकित शुक्ला, गायिका खुशी तिवारी ने अपने मनमोहक अदा व देश भक्ति संगीत से पूरे महफिल को भाव विभोर कर दिया। उपस्थित सभी लोगों ने कार्यक्रम को खूब सराहा और कार्यक्रम का लुफ्त उठाया।

जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को किया रवाना

यह रथ गाँव टोलों में जाकर सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को करेगा जागरूक

बीएनएम। बेतिया

सड़क सुरक्षा के लिये जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रथ जिले के विभिन्न हाट-बाजारों, गाँव, पंचायतों में जाकर सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करेगा। इस अवसर पर बोलते हुये जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा हेतु सभी नागरिकों को यातायात नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए। वाहन चलाते समय सभी वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करें। अपने वाहन को गति सीमा में चलाएं। बिना हेलमेट दो पहिया वाहन नहीं चलाएं। बिना सीट बेल्ट लगाए चार पहिया वाहन नहीं चलाएं। वाहन चलाते समय सड़क संकेतों का पालन अवश्य करें। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करें। सड़क दुर्घटना में घायल पीड़ितों की मदद अवश्य करे। जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि विभागीय निर्देश के आलोक में 1 जनवरी से सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम संचालित है, जो 31 जनवरी तक चलेगा। इस दौरान सड़क सुरक्षा को लेकर विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। इसी क्रम में जिलाधिकारी, पश्चिम चम्पारण द्वारा जागरूकता रथ को समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया है।

नेशनल गेम्स-2025: बिहार लॉन बॉल्स टीम मैनेजर के पद पर नियुक्त हुए चितरंजन

नेशनल गेम्स-2025 में बिहार लॉन बॉल्स टीम का बागडोर संभालेंगे राष्ट्रीय खिलाड़ी चितरंजन

बीएनएम। मोतिहारी

भारत का ओलंपिक कहे जाने वाले नेशनल गेम्स 2025 का आयोजन इंडियन ओलंपिक एसोसिशन के द्वारा उत्तराखंड के दस जिलों में 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक आयोजन किया जा रहा है वहीं लॉन बॉल्स प्रतिस्पर्धा 1 फरवरी से 8 फरवरी 2025 तक देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित किया जाएगा। लॉन बॉल प्रतिस्पर्धा से बिहार से जाने वाली 17 सदस्यीय टीम में ढाका के लॉन बॉल खिलाड़ी चितरंजन कुमार को भी बिहार लॉन बॉल्स टीम मैनेजर के पद पर बिहार बॉलिंग एसोसिएशन के द्वारा नियुक्त किया गया है। इस प्रतियोगिता में बिहार की ओर से जाने वाली टीम में नव पुरुष व आठ महिलाएं शामिल हैं। इस खेल में पूर्वी चंपारण से अकेला खिलाड़ी चितरंजन शामिल है। उसने 2020 में असम में आयोजित खेलो इंडिया प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर जिले सहित अपना नाम रौशन किया था । नेशनल गेम्स 2022 और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप2024 में व्यक्तिगत स्पर्धा में छठा स्थान प्राप्त किया था । इस प्रतियोगित में मैनेजर के पद पर नियुक्त होने पर चितरंजन के माता उदावंती देवी व पिता रामप्रताप साह सहित अन्य परिजनों व गांव तथा पूरे परिक्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर कायम है। खिलाड़ी चितरंजन का कहना है कि मुझे पहली बार इतना बड़ा गेम्स का जिम्मेदारी संभाले का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

ई-रिक्शा लूट मामले का पुलिस ने किया उद्भेदन

बीएनएम। बेतिया

लोहियरिया में हुई ई-रिक्शा लूट की वारदात का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटा गया ई-रिक्शा भी बरामद कर लिया है। इस संबंध मे जानकारी देते हुएएसडीपीओ विवेक दीप ने बताया कि गोपालपुर के वैशखवा निवासी पप्पु साह (28) और रामनगर भावल के गैसूल आजम (19) को लूट में प्रयुक्त चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया है। घटना 23 जनवरी की शाम 5 बजे की है, जब मुफस्सिल के महनागनी निवासी जहीर मियां अपना किराये का ई-रिक्शा चला रहे थे। घटना के सम्बन्ध मे जानकरी मिली की दो अज्ञात व्यक्तियों ने छावनी से घोघा जाने के लिए ई-रिक्शा बुक किया। लोहियरिया के पास मुख्य सड़क पर पहुंचते ही आरोपियों ने ई-रिक्शा रुकवाया और एक आरोपी ई-रिक्शा लेकर फरार हो गया, जबकि दूसरा बाइक से भाग निकला। पीड़ित जहीर मियां की शिकायत पर गोपालपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने इस मामले में त्वरित संज्ञान लेते हुए एसडीपीओ विवेक दीप के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें गोपालपुर थानाध्यक्ष राजन कुमार, तकनीकी शाखा के इंस्पेक्टर ज्वाला सिंह, मुफस्सिल थाना की अनुपम अचला समेत अन्य पुलिस अधिकारी शामिल थे। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

आखिर कब समझेंगे हम गणतंत्र की मूल भावना

76वें गणतंत्र दिवस पर विशेष

प्रतिवर्ष की भांति एक और गणतंत्र दिवस हमारी चौखट पर दस्तक दे चुका है। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रत्येक राष्ट्रप्रेमी के लिए यह गर्व का दिन है क्योंकि भारत ने देश की आजादी के बाद स्वयं का संविधान बनाकर 26 जनवरी 1950 के दिन इसे लागू कर इसी दिन प्रभुता सम्पन्न सार्वभौमिक प्रजातांत्रिक गणराज्य बनने का गौरव हासिल किया था। 26 जनवरी का दिन गणतंत्र दिवस के रूप मनाने की शुरूआत के पीछे मूल भावना यही थी कि देश का प्रत्येक नागरिक इस दिन संविधान की मर्यादा की रक्षा करने, स्वयं को देशसेवा में समर्पित करने तथा राष्ट्रीय हितों के प्रति आस्था का संकल्प ले, साथ ही इन पर अमल करे लेकिन विडम्बना है कि गौरवान्वित कर देने वाले इस विशेष अवसर पर ऐसे संकल्पों को प्रतिवर्ष दोहरा कर या स्मरण मात्र करते हुए हम अपने कर्त्तव्यों और उत्तरदायित्वों की इतिश्री कर लेते हैं। सही मायनों में गणतंत्र की मूल भावना को हमने आज तक समझा ही नहीं। 'गणतंत्र' का अर्थ है शासन तंत्र में जनता की भागीदारी। हालांकि हम कह सकते हैं कि शासन तंत्र में जनता को पूर्ण भागीदारी मिली है किन्तु क्या यह वाकई पूर्ण सत्य है? देश का संविधान लागू होने के इन 75 वर्षों में भी क्या वास्तव में शासन तंत्र में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हुई है? जनता को यह तो अधिकार है कि मतदान के जरिये वह अपना जनप्रतिनिधि चुने किन्तु एक बार संसद अथवा विधानसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद अगले पांच वर्षों तक इन जनप्रतिनिधियों पर उसका कोई अंकुश रह जाता है? वास्तविकता यही है कि इसी प्रावधान का लाभ उठाते हुए राजनीतिक दल देश की जनता का चुनाव के समय महज एक वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल करते आए हैं और अपना मतलब निकलने पर जनप्रतिनिधियों पर जनता के दुख-दर्द के बजाय अपने लिए सुख-सुविधाओं का अंबार जुटाने की चिंता सवार हो जाती है और वे इसी कवायद में जुट जाते हैं कि येन-केन-प्रकारेण अगले चुनाव के लिए कैसे करोड़ों रुपयों का इंतजाम किया जाए। अहम सवाल यह है कि जिस राष्ट्र में जनता की भागीदारी चुनाव में सिर्फ वोट डालने और उसके बाद चुने हुए जनप्रतिनिधियों के आचरण से शर्मसार होकर आंसू बहाने तक सीमित रह गई हो, वहां 'गणतंत्र' का भला क्या महत्व रह गया है? खासतौर से ऐसी स्थिति में, जब गरीबी व भुखमरी से त्रस्त करोड़ों लोग चंद रुपयों की खातिर या लाखों लोग महज दो-चार शराब की बोतलों के लिए अपने वोट बेच डालते हों या ईवीएम के दौर में भी बूथ कैप्चरिंग कर मतदान केन्द्रों पर गुंडागर्दी के बल पर वोट डलवाये जाते हों? हालांकि इसमें संशय नहीं कि हमें विशुद्ध रूप में एक प्रजातांत्रिक संविधान प्राप्त हुआ है, जिसमें प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक समुदाय, प्रत्येक सम्प्रदाय के लोगों के लिए बराबरी के अधिकार के साथ-साथ व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से कुछ मूलभूत स्वतंत्रताओं की व्यवस्था भी की गई है, प्रत्येक नागरिक के लिए मूल अधिकारों का प्रावधान किया गया है किन्तु गणतांत्रिक भारत में पिछले 75 वर्षों के हालात का विवेचन करें तो यही पाते हैं कि हमारे कर्णधार एवं नौकरशाह किस प्रकार संविधान के कुछ प्रावधानों के लचीलेपन का अनावश्यक लाभ उठाकर कदम-कदम पर लोकतांत्रिक मूल्यों को तार-तार करते रहे हैं। निःसंदेह इससे लोकतंत्र की गरिमा प्रभावित होती रही है। संविधान निर्माताओं ने कभी इस बात की कल्पना नहीं की होगी कि जिन लोगों के कंधों पर संविधान को लागू कराने की जिम्मेदारी होगी, वही इसके प्रावधानों का मखौल उड़ाते नजर आएंगे। ऐसी दयनीय परिस्थितियों को देखकर निश्चित रूप से संविधान निर्माताओं की आत्मा खून के आंसू रोती होगी। संसद-विधानसभाओं में एक-दूसरे के साथ मारपीट, घूंसेबाजी, चप्पल, माइक इत्यादि से प्रहार, कुर्सियां फेंकने जैसी घटनाएं भारतीय लोकतंत्र में शर्मनाक पैठ बना चुकी हैं। वक्त-बेवक्त संसद और विधानसभाओं के भीतर होती गुंडागर्दी सरीखी घटनाएं दुनियाभर में हमें शर्मसार करती रही हैं। जिस राष्ट्र में कानून बनाने वाले और देश चलाने वाले लोग ही ऐसी असभ्य हरकतें करने लगें, वहां अपराधों पर अंकुश लगाने की किससे अपेक्षा की जाए? संसद-विधानसभा सरीखे लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिरों में अपराधियों व बाहुबलियों का निर्बाध प्रवेश क्या एक स्वस्थ लोकतंत्र का संकेत है? चुनाव जीतने के लिए आज हर राजनीतिक दल में ऐसे लोगों को पार्टी में शामिल करने, चुनाव जीतने के लिए उनका इस्तेमाल करने के अलावा उन्हें ही पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़वा कर अपनी सीटें बढ़ाने के फेर में ऐसे दागी लोगों को लोकतंत्र के मंदिरों में प्रवेश दिलाने की होड़-सी लगी है। अदालतें जब भी संसद या विधानसभाओं में आपराधिक तत्वों का प्रवेश रोकने की दिशा में कुछ सार्थक पहल करने की कोशिश करती हैं, तमाम राजनीतिक दल उसे संसद के अधिकार क्षेत्र में न्यायिक दखलंदाजी करार देते हुए हो-हल्ला मचाने लगते हैं।राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सांसदों-विधायकों की रुचि लगातार कम हो रही है। प्रत्येक संसद सत्र में हंगामा व शोरशराबा करके संसद का बेशकीमती समय नष्ट कर देना जैसे एक परम्परा बन चुकी है। सदन से बहुत से सदस्य लंबे-लंबे समय तक गैरहाजिर रहते हैं। सर्वसम्मति के अभाव में देशहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण बिल लंबे समय तक लटके पड़े रहते हैं लेकिन आश्चर्य की बात है कि जब जनप्रतिनिधियों के वेतन-भत्ते अथवा अन्य ऐशोआराम की सुविधाएं बढ़ाने की बात आती है तो पूरा सदन एकजुट हो जाता है और ऐसे मामलों में पलक झपकते ही सर्वसम्मति बन जाती है। तब सदन में सदस्यों की उपस्थिति संख्या भी देखते ही बनती है। एक समय था, जब संसद में राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सकारात्मक बहस होती थी लेकिन अब हर संसद सत्र हंगामे और शोरशराबे की भेंट चढ़ जाता है।इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि संसद का एक-एक मिनट बहुमूल्य होता है। संसद के प्रत्येक मिनट के कामकाज पर ढाई लाख रुपये से अधिक खर्च होते हैं अर्थात् आठ घंटे की संसद की कार्यवाही पर बारह करोड़ रुपये से भी अधिक खर्च होते हैं। आए दिन इसी तरह संसद में हंगामे होने, सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करने या सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित होने से देश को कितना आर्थिक नुकसान होता है, इसका अनुमान सहजता से लगाया जा सकता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजे तय करेंगे आआपा का भविष्य

मनोज कुमार मिश्र

50 फरवरी, 2025 को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे 08 फरवरी, 2025 को घोषित होंगे। केवल इस विधानसभा चुनाव में अगर जीत न मिल पाई तो आम आदमी पार्टी (आआपा) का बिखरना तय माना जा रहा है। चुनाव में तो वैसे अनेक दल अपने उम्मीदवार खड़े किए हुए हैं लेकिन चुनाव आआपा, भाजपा और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है। अपने 13 साल के राजनीतिक जीवन की सबसे कठिन लड़ाई लड़ रहे आआपा के सर्वेसर्वा और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की साख दांव पर है। शराब घोटाले में छह महीने जेल में रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत पर बाहर आते ही उन्होंने विधानसभा चुनाव प्रचार शुरू कर दिया। संभावित हार से आशंकित केजरीवाल हर रोज कोई न कोई घोषणा करके चुनावी बाजी पलटने में लगे हुए हैं। उनके कट्टर ईमानदार की छवि को शराब घोटाले से अधिक शीशमहल (मुख्यमंत्री की सरकारी कोठी पर करोड़ों खर्च करके महल बनाने का मामला) कांड ने खराब कर दिया है। कैग (सीएजी) रिपोर्ट ने उनके और उनकी सरकार के भ्रष्टाचार के मामले उजागर करके उनको महाभ्रष्ट साबित कर दिया। उस रिपोर्ट को विधानसभा में न पेश करके उन्होंने अपनी खूब बेइज्जती करवाई। जिसे आम लोग कहते थे वही देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कह दिया। वे आआपा को आप-दा कहने लगे हैं और उनका कहना है कि हार को टालने के लिए केजरीवाल रोज कोई न कोई घोषणा कर रहे हैं। 1998 से दिल्ली की सत्ता से बाहर रही भाजपा इस बार पूरे दमखम से सत्ता पाने के लिए लगी हुई है। चुनाव प्रचार के आखिरी दौर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से लेकर देशभर के बड़े भाजपा नेता, अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री व नेता दिल्ली में सभा कर रहे हैं। दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटें हैं। हर सीट पर भाजपा ने कई स्तर के नेताओं को जिम्मेदारी दी है। गुटबाजी टालने के लिए भाजपा ने बिना मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए चुनाव लड़ना तय किया है। चुनाव की घोषणा थोड़े ही दिन पहले हुई लेकिन भाजपा तो काफी समय से केजरीवाल और उनकी टीम का पर्दाफाश करने में लगी हुई है। इस बार सोशल मीडिया पर भी भाजपा आआपा से काफी आगे है। आआपा के सर्वेसर्वा केजरीवाल ने खुद पार्टी में शुरू से जुड़े अनेक बुद्धिजीवियों को पार्टी से अलग करके अपने हाथ काट लिए। अब उनका बचाव करने वाले बेहद नौसीखिए हैं जो रटा रटाया बयान दोहराकर अपनी और अपनी पार्टी की जगहंसाई करवा रहे हैं। सालों दिल्ली पर राज करने वाली कांग्रेस साल 2013 यानी आआपा के वजूद में आने के बाद से लगातार हाशिए पर पहुंचती जा रही है। लगातार 15 साल दिल्ली की मुख्यमंत्री रही शीला दीक्षित 2013 का विधानसभा चुनाव न केवल खुद हारी बल्कि कांग्रेस को 24.50 फीसद वोट और केवल आठ सीटें मिली। 2015 के विधानसभा चुनाव में उसे कोई सीट नहीं मिली और उसका वोट औसत घटकर 9.71 फीसद रह गया। इतना ही नहीं 2020 के विधानसभा चुनाव में उसे केवल 4.26 फीसद वोट मिले। अभी 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का आआपा से सीटों का तालमेल था। सात में से तीन सीटों पर कांग्रेस और चार पर आआपा लड़ी। चुनाव में सभी सातों सीटें भाजपा लगातार तीसरी बार जीती। कांग्रेस को 18.50 फीसद वोट मिले। कांग्रेस के ताकतवर हो जाने के डर से इस चुनाव में आआपा ने कांग्रेस से समझौता नहीं किया लेकिन कांग्रेस ने मजबूती से चुनाव लड़ना तय किया। कांग्रेस ने अपने मूल वोटर-अल्पसंख्यक, दलित और पूर्वांचल (पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के मूल निवासी) के लोगों का समर्थन पाने के लिए चुनाव में पूरी ताकत झोंक दी है। दिल्ली में मुस्लिम आबादी अब 12 से बढ़ कर 15 फीसद से ज्यादा हो गई है। 70 में से 17 सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम मतदाता 20 फीसद से ज्यादा हैं। इनमें सीलमपुर, मटिया महल, बल्लीमरान, ओखला, मुस्तफाबाद, किराड़ी, चांदनी चौक, गांधीनगर, करावल नगर, विकास पुरी, ग्रेटर कैलाश, कस्तूरबा नगर, बाबरपुर, मोतीनगर, मालवीय नगर, सीमापुरी और छत्तरपुर शामिल हैं। उनपर कांग्रेस के न केवल उम्मीदवार मजबूत हैं बल्कि कांग्रेस पूरी ताकत से लगी है। इसी तरह 12 अनूसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों पर भी कांग्रेस ने पूरी तैयारी की है। दलितों में कांग्रेस का कुछ असर अब भी बचा है। उन इलाकों में कांग्रेस की सभा में भीड़ जुट रही है। पूर्वांचल के प्रवासी दिल्ली में सालों कांग्रेस का साथ देकर उसे सत्ता दिलाते रहे। दिल्ली के 70 में से 42 सीटों पर पूरबियों (पूर्वांचल के प्रवासी) का वोट 20 फीसद से ज्यादा है। यह तीनों और दिल्ली के गांव का एक वर्ग अगर कांग्रेस से जुड़ जाए तो उसके पुराने दिन लौट आ जाएंगे। कांग्रेस इस चुनाव में धन-बल से इस प्रयास में लगी है। कांग्रेस के सबसे लोकप्रिय नेता राहुल गांधी दिल्ली के अल्पसंख्यक इलाकों से जनसभा की शुरुआत कर चुके हैं। कांग्रेस यह संदेश देने में लगी है कि वही देशभर में भाजपा से लड़ रही है। 2022 के नगर निगम चुनाव में कांग्रेस को सात अल्पसंख्यक सीटों पर जीत दिला कर यह संदेश पहले ही दे दिया था। इसी भरोसे 2013 के चुनाव में कांग्रेस को अल्पसंख्यकों का साथ मिला तो उसके वोट औसत बढ़ गए और साथ छोड़ा तो कांग्रेस हाशिए पर पहुंच गई। दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ समाजसेवी अण्णा हजारे के आंदोलन में शामिल अनेक लोगों ने 26 अक्तूबर, 2012 को आआपा के नाम से राजनीतिक दल बनाकर 2013 में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ना तय किया। वैसे अण्णा हजारे ने राजनीतिक पार्टी बनाने का विरोध किया था। पहले ही चुनाव में ही बिजली-पानी फ्री का मुद्दा कारगर हुआ। आआपा को 70 सदस्यों वाले विधानसभा में करीब 30 फीसद वोट और 28 सीटें मिली। भाजपा करीब 34 फीसद वोट के साथ 32 सीटें जीती। दिल्ली में 15 साल तक शासन करने वाली कांग्रेस को 24.50 फीसद वोट के साथ केवल आठ सीटें मिली। माना गया कि दिल्ली का अल्पसंख्यक भाजपा को हराने वाले दल का सही अनुमान लगाए बिना कांग्रेस को वोट दिया था। अगले चुनाव में अल्पसंख्यक आआपा से जुड़ गए तो कांग्रेस हाशिए पर पहुंच गई। कांग्रेस की कमजोरी और भाजपा की अधूरी तैयारी के चलते और बिजली-पानी फ्री के वायदे ने आआपा को 2015 के चुनाव में दिल्ली विधानसभा में रिकार्ड 54 फीसदी वोट के साथ 67 सीटों पर जीत दिलवा दी। उस चुनाव ने कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचाया। कांग्रेस कोई सीट नहीं मिली और उसका वोट औसत घट कर 9.7 पर आ गया। 2020 के विधानसभा चुनाव में आआपा को फिर से भारी जीत मिली। उसे 70 में से 62 सीटें मिली। फिर तो आआपा पंजाब में भी विधानसभा चुनाव जीत कर सरकार बना ली और अखिल भारतीय पार्टी का दर्जा हासिल कर लिया। इतना ही नहीं वह जगह-जगह कांग्रेस का विकल्प बनने की कोशिश करने लगी। इस दौरान विभिन्न आरोपों में एक-एक करके आआपा नेताओं की गिरफ्तारी और शराब घोटाले की आंच पार्टी के प्रमुख केजरीवाल तक पहुंचने, उनकी गिरफ्तारी आदि ने आआपा की साख को बट्टा लगा दिया। इस चुनाव में तो आआपा को हराने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां घोषित करने में आआपा से आगे कांग्रेस और भाजपा निकल गई। भाजपा ने तो किश्तों में घोषणा (संकल्प) पत्र जारी किया और यह अभी जारी है। कांग्रेस भी आआपा से एक कदम आगे बढ़ कर घोषणाएं करनी शुरू कर दी है। आआपा को उसी के मुद्दे पर विरोधी दलों ने बुरी तरह से घेर दिया है। आआपा के लिए बचाव का रास्ता कम बचा है। आआपा के पक्ष में बोलने वाले बड़े नेताओं की तादाद लगातार घट रही है। कुछ को केजरीवाल ने पार्टी से अलग किया और कुछ खुद उनके व्यवहार से बाहर हो गए। जेल जाने के बावजूद अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं छोड़ी और सुप्रीम कोर्ट ने जब जमानत देते हुए उन्हें दफ्तर न जाने, सरकारी फाइल न देखने आदि की हिदायत दी तब मुख्यमंत्री पद छोड़कर आतिशी को मुख्यमंत्री बना दिया। वह पहले दिन से अपने को केयरटेकर बताने में लगी हुई हैं। जिस भ्रष्टाचार को हथियार बनाकर राजनीति शुरू की, उसी भ्रष्टाचार में चारों तरफ से घिर गए। जो काम वे और उनकी पार्टी के लोग गिना रहे हैं, उस पर लोगों को यकीन नहीं हो रहा है। खुद केजरीवाल ने यमुना नदी की सफाई न कर पाने, हर घर को साफ पानी न दे पाने और दिल्ली की सड़कों को न ठीक करवाने के लिए माफी मांग ली। उनके काम के दावों पर लोगों को यकीन नहीं हो रहा है। कहने के लिए आआपा अब राष्ट्रीय पार्टी है। पंजाब में उसकी सरकार है लेकिन दिल्ली हारते ही केजरीवाल पस्त हो जाएंगे। यह पार्टी पूरी तरह से केजरीवाल की पार्टी है। उसके बाद पार्टी को बिखरते देर नहीं लगेगी। चुनाव प्रचार के दौरान जो दिल्ली का माहौल लग रहा है, उससे यही लग रहा है कि भले कांग्रेस मुख्य मुकाबले में न आ पाए लेकिन इतने वोट पा जाएगी कि आआपा के वोट औसत में भारी गिरावट होगी। इसका लाभ सीधे भाजपा को मिलना तय है। अगर मतदान तक हालात नहीं बदले तो इस बार दिल्ली की सरकार से आआपा दूर हो सकती है। सभाओं के हिसाब से भी ज्यादा भीड़ भाजपा के नेता जुटा रहे हैं।

हम सब भारत के लोग, भारत हम सबकी पहचान

हृदयनारायण दीक्षित

उत्सव और उल्लास आनंद देते हैं। भारत ने 26 जनवरी 1950 को पहला गणतंत्र दिवस मनाया था। संविधान 26 जनवरी के दिन पूरा प्रवर्तित हुआ। भारतीय संविधान सभा की आखिरी बैठक (26 नवम्बर 1949) में डॉ. आम्बेडकर के प्रस्ताव पर मतदान हुआ और संविधान पारित हो गया। भूमि, जन और शासन से ही राष्ट्र नहीं बनते। जाति, मजहब, राजनीति और क्षेत्रीय आग्रह समाज तोड़ते हैं, संस्कृति ही इन्हें जोड़ती है। संविधान निर्माता सनातन सांस्कृतिक क्षमता से परिचित थे। उन्होंने संविधान की हस्तलिखित प्रति में सांस्कृतिक राष्ट्रभाव वाले 23 चित्र सम्मिलित किए। मुखपृष्ठ पर राम और कृष्ण तथा भाग 1 में सिन्धु सभ्यता की स्मृति वाले मोहनजोदड़ो काल की मोहरों के चित्र हैं। भाग 2 नागरिकता वाले अंश में वैदिक काल के गुरूकुल आश्रम का दिव्य चित्र है। भाग 3-मौलिक अधिकार वाले पृष्ठ पर श्रीराम की लंका विजय व भाग 4-राज्य के नीति निर्देशक तत्वों वाले पन्ने पर कृष्ण अर्जुन उपदेश वाले चित्र हैं। भाग 5 में महात्मा बुद्ध, भाग 6 में स्वामी महावीर और भाग 7 में सम्राट अशोक के चित्र हैं। भाग 8 में गुप्त काल, भाग 9 में विक्रमादित्य, भाग 10 में नालंदा विश्वविद्यालय, भाग 11 में उड़ीसा का स्थापत्य, भाग 12 में नटराज, भाग 13 में भगीरथ द्वारा गंगावतरण, भाग 14 में मुगलकालीन स्थापत्य, भाग 15 में शिवाजी और गुरू गोविन्द सिंह, भाग 16 में महारानी लक्ष्मीबाई, भाग 17 व 18 में क्रमशः गांधीजी की दाण्डी यात्रा व नोआखाली दंगों में शान्ति मार्च, भाग 19 में नेताजी सुभाष, भाग 20 में हिमालय, भाग 21 में रेगिस्तानी क्षेत्र व भाग 23 में लहराते हिन्दू महासागर की चित्रावलि है। संविधान पारण के बाद अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कहा "अब सदस्यों को संविधान की प्रतियों पर हस्ताक्षर करने हैं, एक हस्तलिखित अंग्रेजी की प्रति है, इस पर कलाकारों ने चित्र अंकित किये हैं, दूसरी छपी हुई अंग्रेजी व तीसरी हस्तलिखित हिन्दी की।" (संविधान सभा कार्यवाही खण्ड 12 पृष्ठ 4261) भारतीय संस्कृति और इतिहास के छात्रों के लिए संविधान की चित्रमय प्रति प्रेरक हैं। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने संविधान सभा के आखिरी भाषण (26.11.1949) में कहा, "संविधान किसी बात के लिए उपबंध करे या न करे, देश का कल्याण उन व्यक्तियों पर निर्भर करेगा, जो देश पर शासन करेंगे।" उन्होंने दो बातों को लेकर खेद व्यक्त किया, "केवल दो खेद की बाते हैं। मैं विधायिका के सदस्यों के लिए कुछ योग्यताएं निर्धारित करना पसंद करता। असंगत है कि विधि के शासन में सहायकों के लिए हम उच्च अर्हता का आग्रह करें लेकिन विधि निर्माताओं के लिए निर्वाचन के अलावा कोई अर्हता न रखें। विधि निर्माताओं के लिए बौद्धिक उपकरण अपेक्षित हैं। सामर्थ्य व चरित्र बल भी। दूसरा खेद यह है कि हम अपना संविधान भारतीय भाषा में नहीं बना सके।" संविधान सभा के आखिरी भाषण में डॉ. अम्बेडकर ने भी प्राचीन भारतीय परम्परा की याद दिलाते हुए कहा था "एक समय था जब भारत गण राज्यों से सुसज्जित था। यह बात नहीं है कि भारत पहले संसदीय प्रक्रिया से अपरिचित था।" भारत संसदीय प्रक्रिया से पहले भी सुपरिचित था। यहां वैदिक काल से ही एक परिपूर्ण गणव्यवस्था थी। गणेश गणपति थे। प्राचीनतम ज्ञान अभिलेख ऋग्वेद में "गणांना त्वां गणपतिं" आया है। मार्क्सवादी चिंतक डॉ. रामविलास शर्मा ने लिखा है "गण पुराना शब्द है, यह पुरानी समाज व्यवस्था का द्योतक है। गण और जन ऋग्वेद में पारिभाषिक हो गये हैं।" महाभारत युद्ध के बाद युधिष्ठिर ने भीष्म से आदर्श गणतंत्र के सूत्र पूछे। भीष्म ने (शांतिपर्वः 107.14) बताया कि भेदभाव से ही गण नष्ट होते हैं। उन्हें संघबद्ध रहना चाहिए। गणतंत्र के लिए बाहरी की तुलना में आंतरिक संकट बड़ा होता है-'आभ्यन्तरं रक्ष्यमसा बाह्यतो भयम्' बाह्य उतना बड़ा नहीं। संविधान निर्माताओं ने संसदीय जनतंत्र अपनाया है। उन्होंने अनेक संवैधानिक संस्थाओं का प्रावधान किया है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के मध्य शक्ति के पृथक्करण का सिद्धांत लागू है। निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाएँ सारी दुनिया में प्रतिष्ठित हैं। संसद विधायी और संविधायी अधिकारों से लैस है। संवैधानिक संस्थाएँ आदरणीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा प्रवेश के पहले दिन संसद भवन की सीढ़ियों पर साष्टांग प्रणाम किया था। यह प्रेरक और ऐतिहासिक है। संविधान निर्माताओं ने संसद को सविधान संशोधन का भी अधिकार दिया है। मोदी की सरकार ने संविधान के अनुच्छेद-370 को हटाने की कार्यवाही पूरी कर ली है। इसे हटाना संविधान निर्माताओं का ही स्वप्न था। उन्होंने इसके शीर्षक में 'अस्थायी उपबंध' शब्द जोड़े थे। जम्मू-कश्मीर की आम जनता इससे प्रसन्न है लेकिन अलगाववादी शक्तियाँ अभी भी सक्रिय हैं। सीएए (नागरिकता संशोधन कानून) की भी कुछ ताकतें खुल्लमखुल्ला विरोध कर रही थी। संसद द्वारा किसानों के हित में पारित कानूनों को लेकर भी कुछ सरकारों ने गलत विरोध किया। कुछ अलगाववादी देशतोड़क ताकतें बार-बार सिर उठाती हैं। ऐसी ताकतें संविधान की सर्वोपरिता का सिद्धांत नहीं मानती हैं। भारतीय गणतंत्र लगातार विकसित हो रहा है। न्यायपालिका संविधान की जिम्मेदार संरक्षक है। हिन्दुत्व की व्याख्या व नौवीं अनुसूची के दुरुपयोग को रोकने सहित अनेक मसलों पर न्यायपीठ ने प्रशंसनीय फैसले किये हैं। मौलिक अधिकार सुरक्षित है। कृषि, विकास, गोवंश संवर्द्धन राज्य के नीति निर्देशक संवैधानिक तत्व हैं। महाभारतकार ने गणतंत्र की सभा समिति (संसदीय व्यवस्था) के सदस्य की अनिवार्य योग्यता बतायी थी "न नः स समितिं गच्छेत यश्च नो निर्वपेत्कृषिम-जो खेती नहीं करता वह सभा में प्रवेश न करे।" ऋग्वैदिक काल में ऋषि भी कृषि करते थे। कॉमन सिविल कोड नीति निर्देशक तत्व है। हिदुत्व इस देश का प्राण तत्व है लेकिन साम्प्रदायिक कहा जाता है। अलगाववाद देशतोड़क है तो भी सेकुलर है। गहन आत्मचिन्तन ही एकमेव विकल्प है। संविधान में देश के प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकारों की प्रतिभूति है। लेकिन इसी के साथ संविधान के अनुच्छेद-51क में मूल कर्तव्यों की भी सूची है। इस सूची में कहा गया है कि ''प्रत्येक नागरिक का मूल कर्तव्य है कि वह संविधान के पालन के साथ उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज व राष्ट्रगान का आदर करें। स्वाधीनता के राष्ट्रीय आन्दोलन के आदर्शों को हृदय में संजोये और उनका पालन करें। राष्ट्र की सम्प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे। किसी भी तरह के भेदभाव से परे भारत के सभी लोगों में समरसता और भाईचारा की भावना का विकास करे। पर्यावरण की रक्षा करे, सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे। हिंसा से दूर रहें।'' मूल कर्तव्यों की यह सूची भारत के लोक जीवन को आनन्दित करने का दस्तावेज है। संविधान दिवस के अवसर पर इसका पाठ और पुनर्पाठ बहुत जरूरी है। संविधान की उद्देशिका स्मणीय है। उद्देशिका में 'हम भारत के लोग' शब्द का प्रयोग ध्यान देने योग्य है। भारत की जनता के लिए किसी जाति सम्प्रदाय या वर्ग शब्द का प्रयोग नहीं है। हम सबकी पहचान भारत है।

मेष : कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष : यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन : शनैरू-शनैरू स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह : कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या : अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक : अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-5-6

शब्द पहेली - 8384

बाएँ से दाएँ

1. साले की पत्नी-4
3. उच्च कुल का -3
5. पाताल-4
8. व्यंग, चुटीली बात-2
10. दुख, कष्ट-2
11. शराब का प्याला-2
13. सत्य, तेज-2
14. जुड़वा-3
15. विश्राम, राहत-3
17. मक्का-मदीना की यात्रा-2
19. झुका हुआ-2
20. टैक्स, हाथ-2
21. होठ, अधर-2
23. सुरक्षित-4
25. नाश, विनाश, विध्वंस-3
26. निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1. नदी-3
2. संपत्ति, धन-2
3. वंश, खानदान-2
4. उत्तमता, परिष्कृतता-4
6. समुद्र, दरिया-3
7. अंधकार-2
9. जो जायज न हो-4
12. संस्कृत में 'मेरा'-2
13. सपाट- 4
16. जांघ-2
17. पैगंबर, महापुरुष-4
18. रनिवास (उर्दू-3)
20. हुनर, फन-2
22. देह, काया-3
23. गलत का विलोम -2
24. निश्चित-2

शब्द पहेली - 8383 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रणजी ट्रॉफी: शार्दुल ठाकुर का शतक बेकार, जम्मू-कश्मीर ने मुंबई को 5 विकेट से हराया

मुंबई। रणजी ट्रॉफी के रोमांचक मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने शनिवार को शरद पवार क्रिकेट अकादमी में खेले गए मैच में मुंबई को 5 विकेट से हराकर यादगार जीत दर्ज की।

मुंबई की पहली पारी में खराब शुरुआत- मुंबई के कप्तान अजिंक्या रहाणे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। हालांकि, उनकी टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सिर्फ 47 रनों पर टीम ने अपने सात प्रमुख बल्लेबाजों को गंवा दिया। यशस्वी जायसवाल (4), रोहित शर्मा (3), अजिंक्या रहाणे (12), और श्रेयस अय्यर (11) जैसे नामी बल्लेबाजों के फ्लॉप शो के बाद शार्दुल ठाकुर (51) और तनुश कोटियन (26) ने पारी को संभालते हुए टीम को 120 के स्कोर तक पहुंचाया। जम्मू-कश्मीर की तरफ से उमर नजीर और युद्धवीर सिंह ने 4-4 विकेट झटके, जबकि आकिब नबी ने 2 विकेट लिए।

जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में बढ़त हासिल की- जवाब में जम्मू-कश्मीर ने शुभम खजुरिया (53), आबिद मुश्ताक (44), और यावर हसन (29) की पारियों की मदद से 206 रन बनाए और 86 रनों की अहम बढ़त हासिल की। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। शार्दुल ठाकुर और शम्स मुलानी ने 2-2 विकेट लिए।

मुंबई की दूसरी पारी: शार्दुल ठाकुर का शतक- दूसरी पारी में मुंबई ने बेहतर शुरुआत की। यशस्वी जायसवाल (26) और रोहित शर्मा (28) ने पहले विकेट के लिए 54 रन जोड़े। हालांकि, इसके बाद टीम का मध्यक्रम फिर लड़खड़ा गया और 101 के कुल स्कोर तक 7 विकेट गिर गए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर (119) और तनुश कोटियन (62) ने आठवें विकेट के लिए 184 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी ने मुंबई को 290 के स्कोर तक पहुंचाया और जम्मू-कश्मीर के सामने जीत के लिए 205 रनों का लक्ष्य रखा। जम्मू-कश्मीर के लिए आकिब नबी ने 4 और युद्धवीर सिंह ने 3 विकेट झटके।

जम्मू-कश्मीर ने दूसरी पारी में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया- 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर ने शुभम खजुरिया (45) और यावर हसन (24) की सधी हुई शुरुआत की। शम्स मुलानी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके, लेकिन उनकी कोशिशें नाकाफी साबित हुईं। आकिब मुश्ताक (नाबाद 32) और कन्हैया वधावन (नाबाद 19) ने टीम को 5 विकेट से जीत दिला दी। जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज युद्धवीर सिंह, जिन्होंने मैच में कुल 7 विकेट लिए, को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण खेलों में स्वर्ण जीतना चाहते हैं त्रिकूद एथलीट प्रवीण

विजयनगर। एथलीट प्रवीण चित्रावेल का लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। वह 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जिससे वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल कर सकें। प्रवीण ने कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल आदि। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक खो दिया था। मैंने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक जीता है। इस एथलीट ने कहा, 'मुझे भरोसा है कि मैं एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में पदक जीतूंगा पर मैं राष्ट्रमंडल खेलों 2026 में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता।

राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.37 मीटर है, यह एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है इसलिए मैं फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। मैंने 2023 में ऐसा किया था और 2025 में फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। प्रवीण ने कहा, 'मैं इस साल विश्व इंडोर चैंपियनशिप, एशियाई चैंपियनशिप, विश्व ओपन चैंपियनशिप और फिर डाइमंड लीग पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। प्रवीण ने 2023 में क्यूबा के हवाना में प्रुएबा डि कनफ्रोनटेसिन एथलेटिक्स मीट में 17.37 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीतते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

हैरी ब्रूक विश्व क्रिकेट में काफी आगे जाएंगे: कार्तिक

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रहे दिनेश कार्तिक ने कहा है कि विश्व क्रिकेट के अगले सितारे शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल नहीं बल्कि इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक होंगे। हैरी ने पदार्पण के बाद से ही कई अच्छी पारियां खेली हैं। कार्तिक के अनुसार जिस तरह से हैरी खेल रहे हैं उसे देखकर लगता है कि वो विश्व क्रिकेट में काफी आगे जा सकते हैं। इस पूर्व विकेटकीपर ने कहा , मेरे लिए, ब्रूक युवा पीढ़ी के सबसे खास खिलाड़ियों में से एक हैं, और निश्चित रूप से, जब वह अपना टेस्ट करियर खत्म करेंगे, तो उसे ऐसे खिलाड़ी के रूप में जाना जाएगा जिसने शानदार प्रदर्शन किया है और उन खिलाड़ियों में शामिल होंगे जो ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की श्रेणी में आते हैं. उसके पास एक बेहतरीन फ्री-फ्लोइंग बल्लेबाजी तकनीक है। कार्तिक ने

साथ ही कहा, सबसे अहम बात, उसके पास एक ऐसा दिमाग है जो उसे बहुत सरल बनाये रखता है। इसलिए, वह बिना किसी संदेह के शीर्ष स्तर पर जा सकते हैं. ब्रूक ने डेब्यू के बाद से ही अब तक 24 टेस्ट मैचों में 2281 रन बनाये हैं। लाल गेंद प्रारुप में ब्रूक ने अपनी बल्लेबाजी से विश्व क्रिकेट को चौंकाया है। यही कारण है कि कार्तिक के अलावा कई पूर्व दिग्गज भी भविष्य का सितारा मानते हैं. ब्रूक ने अपने टेस्ट करियर में अब तक 8 शतक और 10 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं एकदिवसीय में उनके नाम एक शतक है। वहीं टी-20 अंतरराष्ट्रीय में तीन अर्धशतक शामिल है।

बच्चों से बोले कपिल , ऑटोग्राफ देने वाला बनें

गुरुग्राम। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने एक कार्यक्रम में बच्चों से कहा है कि उन्हें ऑटोग्राफ मांगने वाले की जगह ऑटोग्राफ देने वाला बनने का लक्ष्य रहते हुए आगे बढ़ना चाहिये। भारतीय टीम को पहली बार विश्व जिताने वाले कपिल ने कहा कि बच्चों को अपने प्रतिभा को निखारने के लिए लगातार प्रयास करना चाहिये। साथ ही कहा कि ऑटोग्राफ लेने वाला बनकर न रह जायें। उन्होंने बच्चों के साथ बल्लेबाजी में हाथ आजमाते हुए अपने अंदाज में स्क्वायर कट भी लगाए। उन्होंने अपने संदेश में कहा, 'छात्रों के व्यक्तित्व के विकास के लिए खेल एक जरूरी साधन है पर उससे पढ़ाई की उपेक्षा नहीं होनी चाहिये क्योंकि वह सबसे जरुरी है। उन्होंने कहा, 'आपको

कभी मेरा ऑटोग्राफ नहीं मांगना चाहिए बल्कि अपने को इतना बेहतर बनाना चाहिए कि एक दिन आप स्वयं उस पर हस्ताक्षर कर सकें। कपिल भी बच्चों को उत्साही देखकर हैरान थे। उन्होंने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित और खुश हूं कि मैं छोटे बच्चों और उभरते खिलाड़ियों के साथ अच्छा समय बिता सका। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से प्रतिभाएं लगातार सामने आ रही हैं। वह एक अच्छा संकेत है।

वाइटैलिटी ब्लास्ट और हंड्रेड के साथ टकराने वाले किसी टूर्नामेंट में नहीं खेल सकेंगे खिलाड़ी : ईसीबी

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि खिलाड़ियों को वाइटैलिटी ब्लास्ट और द हंड्रेड के साथ टकराने वाले किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईसीबी के अनुसार नई नीति के तहत जो खिलाड़ी अब फर्स्ट क्लास क्रिकेट नहीं खेलते हैं उन्हें भी इंग्लिश घरेलू व्हाइट-बॉल खेलों को मिस करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईसीबी के मुख्य अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने कहा कि हमें अपने खेल और अपनी प्रतियोगिताओं की मजबूती को बनाये रखने की आवश्यकता है। इसके साथ ही कहा कि अब खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अलावा कोई अन्य लीग भी नहीं खेल पायेंगे। साथ ही कहा कि उसके खिलाड़ी अब पाकिस्तान सुपर लीग में नहीं खेल पाएंगे। इसका कारण है कि ईसीबी ने अपनी खिलाड़ियों के इस लीग में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ईसीबी के अनुसार पीएसएल के समय ही देश में घरेलू सत्र भी चलता है। ऐसे में खिलाड़ियों की उपलब्धता में आ रही परेशानी को दूसरे करने के लिए ईसीबी ने अपने खिलाड़ियों के उस समय कहीं और खेलने पर रोक लगा दी है। आईपीएल पर ये प्रतिबंध लागू नहीं होता है। खिलाड़ियों को आईपीएल के अलावा पीएसएल और दुनिया की अन्य फ्रेंचाइजी लीगों में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि ये गर्मियों में घरेलू सत्र के साथ टकराती हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि, ईसीबी

व्यापार

शेयर बाजार में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट रही जारी

- सेंसेक्स **428** अंक की गिरावट के साथ **76,190** पर बंद
- निफ्टी **111** अंक की गिरावट के साथ **23,092** पर बंद

मुंबई। साप्ताहिक आधार पर लगातार तीसरे सप्ताह भी घरेलू शेयर बाजार में गिरावट जारी रही। ट्रंप सरकार की नीतियां, लगाता एफआईआई की बिकवाली, मिलेजुले तिमाही नतीजे और वैश्विक बाजार ने घरेलू शेयर बाजार का सेंटिमेंट खराब किया। हालांकि रूपए में मजबूती और कच्चे तेल की गिरावट से बाजार को सहारा मिला। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में हल्की बढ़त देखी गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 398.21 अंक चढ़कर 77,017.54 अंक पर खुला और 454.11 अंकों की बढ़त के साथ 77,073.44 पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी 105.15 अंक चढ़कर 23,308.35 अंक पर खुला और 141.55 अंक मजबूत होकर 23300 का आंकड़ा पार करते हुए 23,344.75 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को सपाट शुरुआत के बाद लाल निशान पर आ गया। इस दौरान

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 188.28 अंक चढ़कर 77,261.72 पर खुला और 1,235.08 अंक या 1.60 प्रतिशत गिरकर 75,838.36 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 52.65 अंक चढ़कर 23,397.40 अंक पर खुला और 141.55 अंक बढ़कर 23,344.75 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को तेजी देखी गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 248.21 अंक चढ़कर 76,086.57 अंक पर खुला और 566.63 अंक बढ़कर 76,404.99 पर बंद हुआ। निफ्टी 95.50 अंक चढ़कर 23,120.15 अंक पर खुला और 130.70 अंक चढ़कर 23,155.35 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 136.01 अंक गिरकर 76,268.98 अंक पर खुला और 115.39 अंक चढ़कर 76,520.38 पर बंद हुआ। निफ्टी 46.65 अंक गिरकर 23,108.70 अंक पर खुला और 50.00 अंकों की मजबूती के साथ 23,205.35 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन हरे निशान पर खुला। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही शेयर बाजार में गिरावट देखी जाने लगी और सेंसेक्स और निफ्टी ने अपनी शुरुआती बढ़त गंवा दी। सेंसेक्स 282.35 अंक चढ़कर 76,802.73 अंक पर खुला और 428.87 अंक की गिरावट के साथ 76,190.46 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 86.7 अंक चढ़कर 23,292.05 अंक पर खुला और 111 अंक की गिरावट के साथ 23,092.20 के स्तर पर बंद हुआ।

आरबीआई ने 4 बैंकों पर की कार्रवाई

जम्मू एवं कश्मीर बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक पर लगाया जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामकीय अनुपालन में कमियों के लिए जम्मू एवं कश्मीर बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक पर जुर्माना लगाया है। जम्मू-कश्मीर बैंक पर वित्तीय समावेशन- बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच बुनियादी बचत बैंक जमा खाता (बीएसबीडीए), केवाईसी और ऋण और अग्रिम वैधानिक और अन्य प्रतिबंध से संबंधित कुछ मानदंडों के उल्लंघन के लिए 3.31 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। एक अन्य विज्ञप्ति में रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया पर एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि प्राथमिकता क्षेत्र ऋण, जमा पर ब्याज दर और वित्तीय समावेशन, बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच-बीएसबीडीए पर कुछ निर्देशों का

पालन न करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक पर 1.63 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी द्वारा वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग में जोखिम प्रबंधन और आचार संहिता पर रिजर्व बैंक द्वारा जारी कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए डेटसन एक्सपोर्ट्स पश्चिम बंगाल पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। प्रत्येक मामले में रिजर्व बैंक ने कहा कि दंड, वैधानिक और नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित हैं और इनका उद्देश्य संस्थाओं द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है।

सोना 82,000 के पार, चांदी 100 बढ़कर 97,600 रुपए पर

सोने की कीमत लगातार चौथे सप्ताह बढ़ी

नई दिल्ली। शनिवार को सुबह के व्यापार में सोने और चांदी के भाव में वृद्धि देखने को मिली। 24 कैरेट सोने की कीमत में 10 रुपए की बढ़ोतरी हुई और यहां तक कि दस ग्राम सोने की कीमत 82,430 रुपए हो गई। चांदी की कीमत में भी 100 रुपए की बढ़ोतरी हुई और एक किलोग्राम चांदी 97,600 रुपए में बेची जा रही है। इसके साथ ही 22 कैरेट सोने की कीमत में भी 10 रुपए की वृद्धि हुई और दस ग्राम सोने की कीमत 75,560 रुपए हो गई। मुंबई में दस ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत कोलकाता, चेन्नई और हैदराबाद के साथ समान स्तर पर 82,430 रुपए है, जबकि दिल्ली में इसकी कीमत 82,580 रुपए रही। मुंबई में दस ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद के समान 75,560 रुपए है, जबकि दिल्ली में इसकी कीमत 75,710 रुपए रही। दिल्ली में एक किलोग्राम चांदी की कीमत मुंबई,

बेंगलुरु और कोलकाता के समान 97,600 रुपए रही, चेन्नई में यह 1,05,100 रुपए है। अमेरिकी सोने की कीमतों में भी 1 फीसदी से अधिक की वृद्धि देखने को मिली और इससे यह अक्टूबर में छुए गए सर्वकालिक उच्च स्तर के करीब पहुंच गई। डॉलर के कमजोर होने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दरों के कम होने के प्रयासों के कारण सोने की कीमत लगातार चौथे सप्ताह बढ़ी। सोने की कीमतों के साथ-साथ स्पॉट गोल्ड, स्पॉट सिल्वर, प्लेटिनम और पैलेडियम की कीमतें भी तेजी देखने को मिली।

अमिताभ बच्चन 'इंडिया गेट' बासमती चावल के बने ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। इंडिया गेट बासमती चावल की मूल कंपनी केआरबीएल लिमिटेड ने दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन को अपने बासमती चावल 'इंडिया गेट' ब्रांड का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। कंपनी ने शनिवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में केआरबीएल लिमिटेड ने दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन को इंडिया गेट बासमती चावल का ब्रांड एंबेसडर बनाकर अपनी साझेदारी का खुलासा किया है। केआरबीएल ने कहा कि 'इंडिया गेट' के साथ अमिताभ बच्चन का जुड़ाव ब्रांड की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अमिताभ बच्चन ने कहा कि इंडिया गेट बासमती चावल सिर्फ एक ब्रांड नहीं है। केआरबीएल लिमिटेड के भारत में व्यवसाय प्रमुख आयुष गुप्ता ने कहा कि हम अमिताभ बच्चन का केआरबीएल परिवार में स्वागत

करते हुए सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका शानदार कद, अटूट ईमानदारी और कालातीत आकर्षण हमारे मूल्यों और समृद्ध विरासत के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। गुप्ता ने कहा कि उनकी मौजूदगी के साथ कंपनी का लक्ष्य अपने उपभोक्ता जुड़ाव को गहरा करना है। उल्लेखनीय है कि केआरबीएल लिमिटेड एक भारतीय चावल प्रसंस्करण और निर्यात करने वाली कंपनी है, जो दुनिया की सबसे बड़ी चावल मिलर है। ये कंपनी अपने इंडिया गेट ब्रांड के बासमती चावल के लिए सबसे ज्यादा जानी जाती है, जो भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला...।

सीसीपीए का भ्रामक दावों के विज्ञापन के लिए विजन आईएएस पर 3 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सीएसई 2020 के परिणाम के बारे में कथित रूप से भ्रामक दावों का विज्ञापन करने के लिए विजन आईएएस कोचिंग पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन के मद्देनजर विजन आईएएस कोचिंग पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता में सीसीपीए ने विजन आईएएस के खिलाफ यह आदेश जारी किया है। सीसीपीए ने अपनी जांच में पाया कि संस्था ने सफल उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया। हालांकि, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2020 में उक्त सफल उम्मीदवारों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम के संबंध में जानकारी उपर्युक्त विज्ञापन में प्रकट नहीं की गई थी। सीसीपीए का ये निर्णय उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और संवर्धन के लिए लिया गया था। मंत्रालय के मुताबिक यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी भी वस्तु या सेवा का कोई गलत या

भ्रामक विज्ञापन न किया जाए, जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन करता हो। विजन आईएएस ने अपने विज्ञापन में निम्नलिखित दावा किया है, जिसकी जांच केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने किया है। दरअसल "विजन आईएएस के विभिन्न कार्यक्रमों से सीएसई 2020 में शीर्ष 10 चयनों में 10" का दावा किया था। उल्लेखनीय है कि विजन आईएएस यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा के लिए भारत का प्रमुख शोध और प्रशिक्षण संस्थान है। यह संस्थान युवाओं को ऑफलाइन और ऑनलाइन सामान्य अध्ययन के लिए फाउंडेशन कोर्स की तैयारी कराता है।

नागा चैतन्य और साई पल्लवी स्टारर थंडेल का गाना बुज्जी थल्ली हुआ रिलीज

साई पल्लवी और नागा चैतन्य अभिनीत बहुप्रतीक्षित रोमांटिक ड्रामा थंडेल 7 फरवरी को सिनेमाघरों में आने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म के निर्माताओं ने लोकप्रिय सिंगल बुज्जी थल्ली का वीडियो जारी किया, जिसमें मुख्य किरदार राजू और सत्या के बीच पनपते रोमांस को दिखाया गया है। वीडियो में जोड़े के प्यार के शुरुआती दिनों के दिल को छू लेने वाले पलों और अलगाव की अवधि के दौरान जुड़े रहने के उनके प्रयासों को दिखाया गया है।<जावेद अली की भावपूर्ण आवाज़ और श्री मणि के मार्मिक बोलों के साथ, बुज्जी थल्ली संगीत प्रेमियों के लिए ज़रूर सुनने लायक है। वीडियो गीत भी समुद्र की पृष्ठभूमि के साथ प्रमुख जोड़ी की केमिस्ट्री को गहन और मनमोहक तरीके से दर्शाता है। थंडेल का संगीत देवी श्री प्रसाद ने तैयार किया है, जबकि चंदू मोंडेती ने न केवल फ़िल्म का निर्देशन किया है, बल्कि कहानी भी लिखी है। थंडेल साई पल्लवी और नागा चैतन्य के बीच 2021 की सफल फिल्म लव स्टोरी के बाद दूसरी बार सहयोग कर रही है। यह फिल्म सुरम्य श्रीकाकुलम तट पर सेट की गई है और यह एक शानदार दृश्य होने का वादा करती है। प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, थंडेल फिल्म प्रेमियों के बीच काफी चर्चा बटोर रही है। फिल्म के नवीनतम एकल, नमो नम: शिवाय को पहले ही यूट्यूब पर 4 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है, जबकि बुज्जी थल्ली के गीतात्मक वीडियो ने लगभग 50 मिलियन हिट प्राप्त किए हैं। थंडेल में एक प्रभावशाली कलाकार और क्रू है, जिसमें साई पल्लवी और नागा चैतन्य प्रमुख हैं। फिल्म का निर्माण बनी वास ने किया है और प्रतिष्ठित गीता आर्ट्स बैनर के तहत अल्लू अरविंद द्वारा प्रस्तुत किया गया है। छायांकन शमदत द्वारा संभाला गया है, जबकि श्रीनागेंद्र तंगला ने प्रोडक्शन डिज़ाइन का ध्यान रखा है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नवीन नूली संपादक हैं। 7 फरवरी के लिए अपने कैलेंडर को चिह्नित करें और बड़े पर्दे पर एक खूबसूरत प्रेम कहानी का अनुभव करने के लिए तैयार हो जाएँ।

बॉक्स ऑफिस पर इमरजेंसी की हालत खस्ता, छठे दिन लाखों में सिमटी कमाई

कंगना रनौत ने लंबे समय से हिट फिल्म का मुंह नहीं देखा था। उन्हें उम्मीद थी कि उनकी फिल्म इमरजेंसी सफल होगी और इसके जरिए सालों बाद उन्हें एक हिट फिल्म नसीब होगी, लेकिन इसने भी उन्हें निराश कर दिया। आलम यह है कि फिल्म की रिलीज को अभी 5 दिन पूरे हुए हैं और यह बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ती दिख रही है। पांचवें दिन के बाद छठे ही दिन इसकी कमाई लाखों में सिमट गई है। इमरजेसी ने पहले दिन 2.5 करोड़ की कमाई की थी। दूसरे दिन फिल्म ने 3.6 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। तीसरे दिन इमरजेसी ने 4.25 करोड़ रुपये तो चौथे दिन 1.05 करोड़ रुपये कमाए थे। पांचवें दिन फिल्म ने 1 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, इमरजेसी ने छठे दिन महज 85 लाख रुपये का कारोबार किया है। इसी के साथ फिल्म की 6 दिनों की कुल कमाई अब 13.25 करोड़ हो गई है। कंगना के खाते में पिछले 10 साल से एक भी हिट फिल्म नहीं आई है। साल 2015 में रिलीज हुई तनु वेड्स मनु रिटर्न्स उनकी आखिरी हिट फिल्म थी। इसके बाद आई लव न्यू यॉर्क, कट्टी बट्टी, रंगून और सिमरन बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रहीं। 2019 में आई फिल्म मणिकर्णिका बॉक्स ऑफिस पर औसत साबित हुई। फिर कंगना जजमेंटल है क्या, पंगा, थलाईवी, धाकड़ और तेजस में दिखीं, लेकिन उनकी ये तमाम फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुईं। कंगना ने इमरजेंसी में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है, वहीं फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन, महिमा चौधरी और दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक सहित कई कलाकार अहम भूमिका निभाते दिखे हैं। फिल्म में खासतौर से कंगना के काम की काफी तारीफ हो रही है। समीक्षकों ने भी कंगना और उनकी इस फिल्म की खूब तारीफ की है। हालांकि, टिकट खिड़की पर फिल्म कोई कमाल नहीं दिखा रही है। फिल्म की निर्माता-निर्देशक और लेखक कंगना ही हैं। दूसरी ओर इमरजेंसी के साथ रिलीज हुई अजय देवगन की फिल्म आजाद बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए कड़ा संघर्ष कर रही है। इसके जरिए जहां अजय के भांजे अमन देवगन ने बॉलीवुड में कदम रखा है, वहीं रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की भी यह पहली फिल्म है। आजाद ने रिलीज के छठे दिन 54 लाख का कारोबार किया है। इसी के साथ आजाद की 6 दिनों की कुल कमाई अब 6.38 करोड़ रुपये हो गई है।

मानुषी छिल्लर को मां का पकाया राजमा चावल और खीर है पसंद

एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर ने हाल ही में अपनी सबसे पसंदीदा डिश का खुलासा किया, जिसे उनकी मां बड़े प्यार से पकाती हैं। पूर्व मिस वर्ल्ड ने अपने इंस्टाग्राम पर एक इंटरैक्टिव आस्क मी एनीथिंग सेशन आयोजित किया, जहां उन्होंने अपने पसंदीदा अभिनेताओं, स्किनकेयर रूटीन के बारे में जानकारी शेयर की और ये भी बताया कि उनकी मां उनके लिए क्या पकाती हैं। मानुषी ने बताया, उनका पकाया राजमा चावल और खीर मुझे पसंद है। ईमानदारी से कहूं तो उनकी हर चीज मुझे अच्छी लगती है। सम्राट पृथ्वीराज की एक्ट्रेस ने यह भी शेयर किया कि ऐश्वर्या राय बच्चन और माधुरी दीक्षित उनकी पसंदीदा एक्ट्रेस हैं जो उन्हें प्रेरित करती हैं। अपनी स्किनकेयर रूटीन के बारे में मानुषी ने बताया, सुबह: हनी वॉश, सीरम, सनस्क्रीन। शाम: क्लींजिंग बाम, क्लींजर, सीरम, आई जेल और मॉइस्चराइज़र।

एक प्रशंसक ने पूछा कि क्या उन्हें छात्र जीवन की याद आती है। इस पर मानुषी ने जवाब दिया, मैं अभी भी एक स्टूडेंट हूं, बस एक अलग फील्ड में हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं कभी भी स्टूडेंट होना बंद कर सकती हूं; यह हमेशा मेरे लिए स्वाभाविक रूप से रहा है। ऑपरेशन वैलेंटाइन की एक्ट्रेस ने मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में आशीर्वाद लेकर आध्यात्मिक तरीके से नए साल की शुरुआत की थी। काम की बात करें तो, छिल्लर ने ऐतिहासिक नाटक सम्राट पृथ्वीराज से अपने एक्टिंग की शुरुआत की, जहां उन्होंने अक्षय कुमार के साथ साहसी और दृढ़ राजकुमारी संयोगिता का किरदार निभाया। अपने सफल डेब्यू के बाद, मानुषी ने कई प्रोजेक्ट्स में काम किया, जिसमें ऑपरेशन वैलेंटाइन, द ग्रेट इंडियन फैमिली और बड़े मियां छोटे मियां शामिल हैं, जिसमें उन्होंने एक एक्ट्रेस के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनके भविष्य के प्रोजेक्ट की बात करें तो, मानुषी बहुप्रतीक्षित थ्रिलर तेहरान में एक्टिंग के लिए तैयार हैं, जिसका निर्देशन नवोदित अरुण गोपालन कर रहे हैं। इस फिल्म में जॉन अब्राहम भी हैं। यह रूस-यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है। आगामी भू-राजनीतिक थ्रिलर दोनों देशों के बीच चल रहे संघर्ष पर भारत का नजरिया पेश करेगी। यह फिल्म अरुण गोपालन के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है।

44 की उम्र में नहीं थमने का नाम ले रही श्वेता तिवारी की हॉटनेस, रिवीलिंग गाउन पहन कैमरे के सामने दिए किलर पोज

टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका कातिलाना अवतार सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका किलर अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी टीवी और बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। उन्होंने अपने स्टनिंग अवतार से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट की

तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लैक कलर का रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

गणतंत्र दिवस को मनाने के लिए क्यों 26 जनवरी की तारीख को चुना गया

देश का संविधान तो 26 नवंबर 1949 में ही बनकर तैयार हो गया था, फिर संविधान लागू करने के लिए 26 जनवरी की तारीख का चुनाव ही क्यों? किया गया? क्यों 26 जनवरी को ही मनाया जाता है गणतंत्र दिवस?

हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के तौर पर सेलिब्रेट किया जाता है. इस दिन हमारे देश का संविधान लागू हुआ था, ऐसे में इस दिन को एक राष्ट्रीय पर्व के तौर पर धूमधाम से मनाया जाता है. लेकिन क्या आपके दिमाग में कभी ये सवाल आया कि गणतंत्र दिवस के लिए 26 जनवरी की तारीख का चुनाव ही क्यों किया गया, जबकि देश का संविधान तो 26 नवंबर 1949 में ही बनकर तैयार हो गया था. यहां जानिए इस दिन से जुड़ी खास बातें.

ये है 26 जनवरी को संविधान लागू करने की वजह

संविधान को लागू करने के लिए 26 जनवरी की तारीख का चुनाव करने के पीछे एक खास वजह है. बहुत कम लोग जानते हैं कि देश में पहली बार स्वतंत्रता दिवस 26 जनवरी 1930 को मनाया गया था. दरअसल 31 दिसंबर, 1929 को कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में एक प्रस्ताव पारित हुआ था. इस प्रस्ताव में यह मांग की गई थी कि अगर ब्रिटिश सरकार ने 26 जनवरी 1930 तक भारत को उपनिवेश (डोमीनियन स्टेट) का दर्जा नहीं दिया तो भारत को पूर्ण स्वतंत्र घोषित कर दिया जाएगा. इसके बाद पहली बार स्वतंत्रता दिवस 26 जनवरी, 1930 को मनाया गया और इस दिन तिरंगा भी फहराया गया था. तभी से 26 जनवरी की तारीख देशवासियों के लिए काफी महत्वपूर्ण हो गई थी. जब देश 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ तो आधिकारिक रूप से स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया गया. लेकिन 26 जनवरी की तारीख को यादगार बनाने के लिए 26 जनवरी का चुनाव संविधान लागू करने के लिए किया गया. यही कारण है कि 26 नवंबर, 1949 में संविधान बन जाने के बाद भी दो महीने इंतजार किया गया और 26 जनवरी 1950 में इसे लागू किया गया.

राष्ट्रपति ने की थी घोषणा

26 जनवरी 1950 में भारत के पहले राष्?ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के साथ झंडा फहराया था और भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया था. तब से हर साल इस दिन गणतंत्र दिवस को राष्ट्रीय पर्व के तौर पर मनाया जाता है. देश के राष्ट्रपति इस दिन कार्यक्रम में शामिल होकर झंडा फहराते हैं और उन्हें 21 तोपों की सलामी दी जाती है.

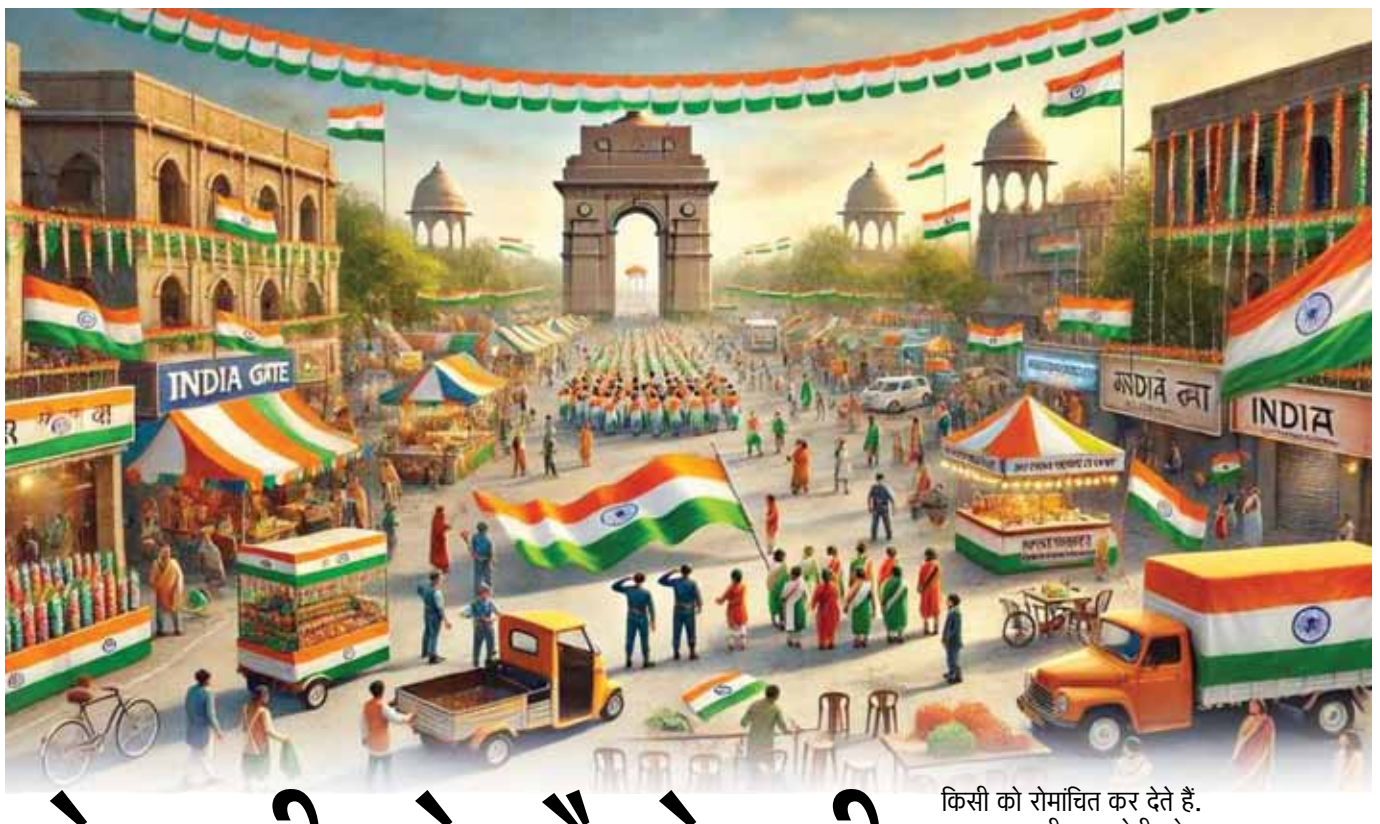

सेना की परेड कैसे बनी गणतंत्र दिवस की शान

इस साल भारत अपना 76वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है, जिसकी थीम है स्वर्णिम भारत- विरासत और विकास. गणतंत्र दिवस की परेड में भारत अपनी सेनाओं की ताकत, तकनीकी तरक्की और सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन करता है. इस दौरान सेना की खास परेड होती है. आइए जान लेते हैं कि सेना की परेड कैसे गणतंत्र दिवस की शान बन गई?

हर साल 26 जनवरी को भारत अपना गणतंत्र दिवस मनाता है. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस मौके पर भव्य परेड का आयोजन किया जाता है. इसमें पूरे भारत की तस्वीर झांकियों के रूप में सामने आती है तो देश अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी करता है. इससे दुनिया को यह संदेश जाता है कि भारत की ओर आंख उठाने की हिम्मत न करे तो देशवासियों को यह आश्वासन मिलता है कि देश अपनी रक्षा करने में सक्षम है. इस साल भारत अपना 76वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है, जिसकी थीम है स्वर्णिम भारत-विरासत और विकास. आइए जान लेते हैं कि सेना की परेड कैसे गणतंत्र दिवस की शान बन गई? अंग्रेजों से आजादी मिलने के बाद भारत ने 26 नवंबर 1949 को अपना संविधान अंगीकार किया था, जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था. हर साल इसी उपलक्ष्य में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया जाता है, जिसमें भारत अपनी सेनाओं की ताकत, तकनीकी तरक्की और सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन करता है. इस दौरान सेना की खास परेड होती है, जो रायसीना हिल से शुरू होकर कर्तव्य पथ (पहले राजपथ) पर इंडिया गेट होते हुए लालकिले तक जाती है. पहली बार तीन हजार जवानों ने किया था मार्च इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने अपनी किताब इंडिया ऑफ्टर गांधी में लिखा है कि पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के सामने सशस्त्र सेनाओं के तीन हजार जवानों ने मार्च किया था. 31 तोपों की सलामी दी गई थी और वायुसेना के विमानों ने करतब दिखाए थे. पहली परेड का आयोजन जहां एक स्टेडियम में किया गया था, वहीं अगले ही साल इसे राजपथ पर शिफ्ट कर दिया गया. इसके बाद जल्द ही केंद्र सरकार राज्यों को भी इसमें हिस्सेदारी के लिए आमंत्रित करने लगी और सांस्कृतिक प्रदर्शनी भी परेड का हिस्सा बन गई. इससे परेड अनेकता में एकता का प्रतीक बन गई.

झांकियों के साथ बढ़ती गई परेड

जैसे-जैसे राज्य अपनी झांकियां परेड में भेजने लगे, परेड और भी लंबी और कलरफुल होती गई. दिल्ली से दूर रहने वालों के लिए यह परेड आज भी आकर्षण का केंद्र है. अब तो इसमें कई सरकारी विभाग भी हिस्सा लेते हैं. वास्तव में भारतीयों के लिए शुरुआत में यह परेड एक शक्तिशाली गणतंत्र के रूप में अपने अस्तित्व को दर्शाने का प्रतीक थी. इसके लिए अंग्रेजी सरकार से भी कुछ प्रेरणा मिली थी, जो अपने ग्रैंड रिसेप्शन और प्रोसेशन के लिए जानी जाती थी और जिससे भारतीय काफी हद तक परिचित थे.

अलग-अलग क्षेत्रों में तरक्की का प्रदर्शन

समय के परेड में भव्यता आती गई. जैसे-जैसे भारत अलग-अलग क्षेत्रों में तरक्की करता रहा, उसका प्रदर्शन भी इसका हिस्सा बनता रहा. परेड में तीनों सेनाओं की टुकड़ियां, अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियां, एनसीसी के कैडेट तो कदमताल करते ही हैं, भारतीय सेनाओं के पास मौजूद अत्याधुनिक हथियारों का प्रदर्शन भी किया जाता है. परेड का मुख्य आकर्षण भी सेना के टैंकों से लेकर मिसाइलें तक होती हैं. ये जब राष्ट्रपति को सलामी देती हैं तो पूरा देश जज्बे से ओतप्रोत हो जाता है. हवा में करतब दिखाते वायुसेना के विमान हर किसी को रोमांचित कर देते हैं.

इस बार इतनी भव्य होगी परेड

दिल्ली में इस बार गणतंत्र दिवस की परेड में आत्मनिर्भर भारत की खास झलक दिखाई देगी. भारतीय सेना इसमें स्वदेशी और अत्याधुनिक सैन्य ताकत का प्रदर्शन दुनिया के सामने करेगी. टी-90 भीष्म टैंक, सारथ टैंक, नाग मिसाइल सिस्टम, ब्रह्मोस मोबाइल लॉन्चर, बजरंग लाइट स्पेशलिस्ट वाहन, चेतक ऑल टेरेन व्हीकल, अग्निबाण मल्टीबैरल रॉकेट लॉन्चर जैसे अत्याधुनिक हथियार और वाहन इसका हिस्सा होंगे. हवा में एयरफोर्स अपनी ताकत और करतब से लोगों को रोमांचित करेगी. करीब 77 हजार लोगों की मौजूदगी में 300 कलाकार परेड की शुरुआत करेंगे. इसके बाद 18 मार्चिंग दस्ते, 15 बैंड और 31 झांकियां इसका हिस्सा बनेंगी. बताया जा रहा है कि कुल 5000 कलाकार कर्तव्य पथ पर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करेंगे.

विदेशी राष्ट्राध्यक्ष होता है मुख्य अतिथि

गणतंत्र दिवस समारोह में किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है. साल 1950 में इसकी शुरुआत इंडोनेशिया के तत्कालीन राष्ट्रपति सुकर्णो से हुई थी. मुख्य अतिथि की सूची भारत के साथ दूसरे देशों के डिप्लोमैटिक संबंधों को भी दर्शाती है. चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मार्शल ये जियांइंग साल 1958 में इसके मुख्य अतिथि थे. साल 2015 में गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार किसी अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में बराक ओबामा इसके मुख्य अतिथि बने थे. इस साल एक बार फिर इंडोनेशिया के ही राष्ट्राध्यक्ष राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे.

कैसा था पहला गणतंत्र दिवस

भारतवासी 26 जनवरी 2025 को 76 वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। आज ही के दिन वर्ष 1950 को पूरे देश में उत्साह और गर्व का माहौल था। इस दिन भारत का संविधान आधिकारिक तौर पर लागू हुआ और भारत को गणराज्य घोषित किए जाने के उपलक्ष्य में हर साल गणतंत्र दिवस के तौर पर मनाने की शुरुआत हुई। अब पूरे देश के स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी दफ्तरों के अलावा कई जगहों पर देशप्रेम की भावना के साथ गणतंत्र दिवस का पर्व खास समारोह के तौर पर मनाया जाता हैं लेकिन पहले साल गणतंत्र दिवस को कैसे मनाया गया, उस समय देश का माहौल कैसा था और कहां गणतंत्र दिवस का उत्सव सबसे पहले मनाया गया, ये जानना भी दिलचस्प होगा।

पहली बार कहां मनाया गया था गणतंत्र दिवस

पहला गणतंत्र दिवस समारोह दिल्ली के इरविन स्टेडियम (वर्तमान में राष्ट्रीय स्टेडियम) में आयोजित हुआ था। यह उस समय का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उत्सव था, जिसमें भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भारतीय ध्वज फहराया और परेड का नेतृत्व किया।

कैसे मनाया गया था पहला गणतंत्र दिवस

26 जनवरी 1950 को सुबह 10.18 बजे भारत का संविधान लागू किया गया। यह दिन 1930 में पूर्ण स्वराज दिवस के संकल्प के कारण चुना गया था। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में 26 जनवरी 1950 को शपथ ली। उन्होंने गवर्नमेंट हाउस जो कि अब राष्ट्रपति भवन है, में तिरंगा झंडा फहराया।

परेड और झांकी

पहली बार दिल्ली में भारतीय सेना की परेड आयोजित हुई, जिसमें भारत की ताकत और सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित किया गया। इसमें सेना, नौसेना और वायुसेना ने भाग लिया। पहला गणतंत्र दिवस भारत की स्वतंत्रता के बाद एक और ऐतिहासिक कदम था, जिसने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक गणराज्य बना दिया।

गणतंत्र दिवस की झांकी कैसे चुनी जाती हैं, कौन लगाता है मुहर?

इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर भारतीय नौसेना की झांकी खास होगी. सेना की झांकी में इस साल शामिल की गई पनडुब्बी और युद्धपोत नजर आएंगे. INS वागशीर, INS सूरत और INS नीलगिरी को इसका हिस्सा बनाया जाएगा. हर साल कई राज्यों की झांकियों को गणतंत्र दिवस की परेड का हिस्सा बनाया जाता है और कई राज्यों की झांकियों को रिजेक्ट भी किया जाता है. हालांकि, झांकी को रिजेक्ट करने पर इसका कारण भी बताया जाता है. देश में गणतंत्र दिवस की झांकियों के सेलेक्शन का काम रक्षा मंत्रालय करता है. झांकी को चुनने और उसे हरी झंडी मिलने की भी एक अपनी प्रक्रिया होती है. जानिए, गणतंत्र दिवस के लिए कैसे चुनी जाती है झांकी.

कैसे चुनी जाती है झांकी?

गणतंत्र दिवस के आयोजनों की जिम्मेदारी रक्षा मंत्रालय के पास होती है. इसलिए रक्षा मंत्रालय, राज्यों, मंत्रालयों और सरकारी उपक्रमों से झांकी के आवेदन मांगता है. आमतौर पर इसकी तैयारी सितम्बर से शुरू होती है. कई बार इसकी प्रक्रिया अक्टूबर में शुरू होती है. झांकियों को चुनने के लिए रक्षा मंत्रालय सेलेक्शन कमेटी बनाता है. इस कमेट में अलग-अलग क्षेत्र जैसे म्यूजिक, आर्किटेक्चर, पेंटिंग, कोरियाग्राफी और स्कल्पचर के विशेषज्ञ होते हैं. एक्सपर्ट कमेटी पहले आवेदनों की थीम, डिजाइन और कॉन्सेप्ट को चेक करते हैं. यह पहला चरण होता है, जिसमें झांकी को स्केच के रूप में पेश किया जाता है. इसके जरिए उसकी खूबियों को बताया जाता है. पहले चक्र की प्रक्रिया के बाद आवेदकों से झांकी का 3डी मॉडल भेजने को कहा जाता है. इस दूसरे चक्र में अकर मॉडल को हरी झंडी मिल जाती है तो राज्य में झांकी बनाने की शुरुआत हो जाती है. रक्षा मंत्रालय के अनुसार, झांकी का सेलेक्शन कई मानकों पर निर्भर करता है. जैसे- वो दिखने में कैसी है. लोगों पर कितना असर डालेगी. उसमें किस तरह का संगीत इस्तेमाल हुआ है. जिस विषय को ध्यान में रखते हुए इसे बनाया गया है वो कितना गहराई के साथ दिखाया जा रहा है.

इन बातों का रखा जाता है ध्यान

झांकी के सेलेक्शन की प्रक्रिया 6 से 7 चरणों में होती है. कई मानकों पर खरा होने के बाद झांकियों की शॉर्टलिस्टिंग की जाती है. कमियां रह जाने पर फाइनल अप्रूवल देते समय बदलाव करने को कहा जा सकता है. रक्षा मंत्रालय की गाइडलाइन कहती है, दो राज्यों की झांकी एक तरह की नहीं होनी चाहिए. इसके अलावा एक ही तरह की लिखावट या डिजाइन नहीं होनी चाहिए. राज्य का नाम हिन्दी या अंग्रेजी में होना चाहिए. अन्य भाषा के नाम को किनारों पर लिखा जा सकता है. गाइडलाइन में इको फ्रेंडली मैटेरियल का इस्तेमाल करने को प्राथमिकता दी जाती है. इसके अलावा मंत्रालय की तरफ से झांकी के लिए ट्रैक्टर और ट्रेलर उपलब्ध कराया जाता है. इस तरह कई चरणों के बाद अंतिम मुहर लगती है.